एचएलएल

समन्वया

अंक- 32, सितंबर 2021

केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री - एचएलएल में..

60%
तक की छूट

- विश्वसनीय और किफायती निवारक स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं
- प्रयोगशाला परीक्षणों का पूरा स्पेक्ट्रम (नियमित और विशेषता दोनों)
- 24 X 7 सेवा
- नवीनतम प्रयोगशाला उपकरण और तकनीक
- टेली रेडियोलॉजी सुविधा
- निःशुल्क नैदानिक कार्यक्रमों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ सुनिश्चित करता है
- प्रमुख हवाई अड्डों पर कोविड़ परीक्षण/स्क्रीनिंग सुविधा

देखें / www.hindlabs.in

NABL
ACCREDITED LABORATORY

हिंदलैब्स
नैदानिक केन्द्र
एचएलएल की एक पहल, भारत सरकार का उद्यम

विषय-सूची

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश.......7

संपादकीय.......8

केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री - एचएलएल में.......10

एचएलएल के मिशन कोविड - 19 की कहानी.......12

कोविड 19 महामारी के प्रबंधन के लिए एचएलएल द्वारा विनिर्माण नवाचार.......16

एचएलएल का वेंडिंग व्यवसाय प्रभाग.......18

एचएलएल से रु.5081 करोड का रिकॉर्ड व्यापारावर्त्त.......20

एचएलएल - राजभाषा कार्यान्वयन पर महत्ता देती कंपनी.......21

एचएलएल शब्दावली.......27

नेमी टिप्पणियाँ 30

सृजनशीलता.......32

हार्दिक बधाइयाँ.......38

ताज़ा खबर.......39

पुरस्कार वितरण.......43

अंक 32, सितंबर 2021

संपादक मंडल

संरक्षक के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुख्य संपादक डॉ.रॉय सेबास्टियन उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)

संपादक मंडल डॉ.एस.एम.उण्णिकृष्णन उपाध्यक्ष (आई बी डी, एस पी & सी सी), डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), सुधा एस.नायर, वरिष्ठ प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार), डॉ. सुरेष कुमार. आर , प्रबंधक (राजभाषा)

संपादकीय सहायक आशा.एम, शालिनी.एस.एस, मीना.एम.वी, लीना.एल, लक्ष्मी सुदर्शनन

डिजाइनिंग अलन जोयल.टी.जी, शरत.एस (कॉर्पोरेट संचार)

मुद्रक श्री प्रिंटर्स, तिरुवनंतपुरम

संपादित एवं प्रकाशित (केवल मुफ्त परिचालनार्थ): हिंदी विभाग, एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम - 695 012, केरल, दूरभाष: 2354949

वेब: www.lifecarehll.com फैक्स: 0471-2358890

समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने हैं, इससे एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड का कोई संबंध नहीं है।

सत्यमेव जयते

अमित शाह
गृह और सहकारिता मंत्री
भारत सरकार
AMIT SHAH
HOME AND COOPERATION MINISTER
GOVERNMENT OF INDIA

प्यारे देशवासियो !

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं ।

भाषा मनोभाव व्यक्त करने का सबसे सशक्त माध्यम है। किसी भी देश का समग्र विकास तभी संभव है जब उसके निवासी अपनी मातृभाषा में चिंतन एवं लेखन करें। मातृभाषा ही ज्ञान और अभिव्यक्ति का सबसे अच्छा माध्यम है। भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश के प्राचीन ज्ञान में ही आज के युग के अनेक जटिल प्रश्नों के उत्तर छुपे हैं और 21वीं सदी के भारत के विकास में इस ज्ञान का एक महत्वपूर्ण स्थान है। इस ज्ञान का उचित दोहन मातृभाषा के विकास के बिना संभव नहीं है। मातृभाषा में वह क्षमता है जो ज्ञान, गौरव और स्वाभिमान भी प्रदान करती है।

आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह कहे जाने वाले भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने कहा है:

"मातृभाषा की उन्नति के बिना किसी भी समाज की तरक्की संभव नहीं है तथा अपनी भाषा के ज्ञान के बिना मन की पीड़ा को दूर करना असंभव है।"

हिंदी का उद्भव एवं विकास भारत की क्षेत्रीय भाषाओं के साथ हुआ है। मूलत: इन सभी भाषाओं में भारतीय संस्कृति की मिट्टी की खुशबू आती है। यह आवश्यक है कि क्षेत्रीय भाषाओं का संरक्षण, संवर्धन और विकास किया जाए तथा अनुवाद के माध्यम से इनके बीच एक सेतु बनाया जाए ताकि भारतीय साहित्य समृद्ध हो सके। इससे भारतीय भाषाओं में आपसी सामंजस्य, सहिष्णुता, सम्मान और सौहार्द भी बढ़ेगा तथा हमें एक-दूसरे का साहित्य पढ़ने का अवसर भी मिलेगा एवं देश की भाषाई एवं राष्ट्रीय एकता और मजबूत होगी। देश की सभी भाषाओं की आपसी सहभागिता, उनका स्वतंत्र विकास और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग देश में शान्ति, परस्पर सद्भावना एवं प्रगति का मुख्य आधार बन सकता है। तिरुवल्लूवर और सुब्रमण्यम भारती जैसे तमिल के महान कवियों की साहित्यिक रचनाएं कालजयी हैं, जिन पर सभी देशवासियो को गौरव है।

इसी प्रकार बांग्ला के रवींद्रनाथ टैगोर हों, शरतचंद्र हों या महाश्वेता देवी अथवा पंजाब की अमृता प्रीतम, हम इनका साहित्य भी उसी प्रकार हिंदी में पढ़ते हैं, जिस प्रकार हम हिंदी के प्रेमचंद का साहित्य पढ़ते हैं। वास्तव में, हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाएं हमें विरासत में मिली हैं तथा इस धरोहर की रक्षा एवं संवर्धन करना हमारा महत्वपूर्ण दायित्व भी है और वर्तमान सरकार इसी दिशा में प्रतिबद्ध है। दशकों के बाद देश के माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक 'नई शिक्षा नीति' हमें मिली है, जिसका उद्देश्य मातृभाषा में शिक्षा उपलब्ध कराना तथा सभी भारतीय भाषाओं को पल्लवित और पुष्पित करना है।

विभिन्न भाषाएं और संस्कृतियां भारत की पहचान हैं, सभी भाषाओं का समृद्ध इतिहास है, समृद्ध साहित्य है और बड़ी संख्या में बोलने वाले भी मौजूद हैं किंतु पूरे राष्ट्र को एकसूत्र में पिरोने का काम हिंदी ने बखूबी किया है। देश की आजादी की लड़ाई में पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता सेनानियों को एक करने का काम उस जमाने में हिंदी भाषा ने किया था। इस कार्य में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी, उन्होंने कहा था,

"जो भाषा भारत के दिलों पर राज करती है, वह भाषा हिंदी है।"

भाइयों, बहनों ! वैज्ञानिकों ने माना है कि हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है, हिंदी में उच्चारित होने वाली ध्वनियों को व्यक्त करना अत्यंत सरल है। हिंदी में जैसा बोला जाता है, वैसे ही लिखा जाता है और हिंदी की इन्हीं विशेषताओं और लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान सभा ने गंभीर विचार-विमर्श के बाद आपसी सहमति से हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा हिंदी संबंधित संवैधानिक प्रावधानों को आज के ही दिन यानि 14 सितंबर 1949 को अंगीकार किया। इसी उपलक्ष में हम प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं।

प्यारे देशवासियो! जैसा कि आप जानते हैं कोरोना के कारण भारत ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में गंभीर संकट आ गया और सभी देशों ने इस समस्या से निदान पाने के लिए हर संभव प्रयास किए। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत में कोरोना की लड़ाई अत्यंत सफलतापूर्वक लड़ी गई। इस लड़ाई में सभी राज्य सरकारों और भारत की 130 करोड़ की जनता ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में इस लड़ाई से लड़ने में हमें अनेक विकसित देशों से बेहतर सफलता मिली और यदि जनसंख्या के अनुपात से देखें तो हम पूरी दुनिया में सबसे कम मृत्यु दर के साथ महामारी से हुई हानि को कम रखने में सफल हुए हैं। इस लड़ाई में माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश की जनता के हौसले को बढ़ाने के लिए समय-समय पर जनता की भाषा में ही राष्ट्र को संबोधित किया ताकि देश के अधिक से अधिक लोगों तक प्रभावी ढंग से बात पहुंच सके।

कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में राजभाषा संबंधी संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन में राजभाषा विभाग ने केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित किया। माननीय प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी के आह्वान से प्रेरित होकर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ने स्मृति आधारित कंप्यूटर सॉफ्टवेयर स्वदेशी टूल 'कंठस्थ' को अधिक लोकप्रिय बनाया। विभिन्न सरकारी संगठनों के हिंदी अधिकारियों को ई-प्रशिक्षण देकर प्रोत्साहित भी किया है। इसी प्रकार स्वयं हिंदी भाषा सीखने के लिए बनाए गए 'लीला हिंदी ऐप',- *लर्निंग इंडियन लैंग्वेजेज थ्रू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस* का भी प्रचार किया जा रहा है। इस ऐप के माध्यम से अंग्रेजी के अलावा 14 अन्य भारतीय भाषाओं, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, असमिया, मणिपुरी, मराठी, उड़िया, पंजाबी, नेपाली, कश्मीरी, गुजराती एवं बोडो से स्वयं हिंदी सीखी जा सकती है।

कोरोना महामारी में भी राजभाषा संबंधी कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए राजभाषा विभाग ने केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों/ विभागों/ उपक्रमों आदि के द्वारा प्रकाशित की जाने वाली गृह पत्रिकाओं के लिए ई-पत्रिका पुस्तकालय प्लेटफार्म उपलब्ध कराया, जिसके माध्यम से देश-विदेश में कहीं भी बैठकर केंद्र सरकार के संस्थानों की गृह-पत्रिकाओं को पढ़कर उसका लाभ उठाया जा सकता है। वर्तमान में राजभाषा विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से बैठकें एवं निरीक्षण कर राजभाषा संवर्धन में एक नई पहल की है। ई-महाशब्दकोश मोबाइल ऐप' तथा 'ई-सरल हिंदी वाक्यकोश मोबाइल ऐप' भी उपलब्ध कराए हैं, इनके प्रयोग से अधिकारियों को हिंदी में टिप्पणी लिखने में बहुत सुविधा हो रही है।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की सुविचारित नीति है कि केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग प्रेरणा, प्रोत्साहन व सद्भावना से बढ़ाया जाए। माननीय प्रधानमंत्री जी के स्मृति विज्ञान संबंधी प्रेम और प्रयोग से प्रभावित होकर राजभाषा विभाग ने हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बारह 'प्र' की रूपरेखा और रणनीति पर काम करना शुरू किया है, जिसमें महत्वपूर्ण स्तंभ हैं: प्रेरणा, प्रोत्साहन, प्रेम, पुरस्कार, प्रशिक्षण, प्रयोग, प्रचार, प्रसार, प्रबंधन, प्रोन्नति, प्रतिबद्धता और प्रयास। राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न बैठकों में संबंधित कार्यालय के शीर्ष नेतृत्व को इन्हीं बारह 'प्र' की रणनीति के अनुसार कार्यालय के अधिक से अधिक कार्य को मूल रूप से सरल एवं सहज हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

हम सभी जानते हैं कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी स्वयं हिंदी और भारतीय भाषाओं के प्रति अनुराग रखते हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिए गए ओजस्वी संबोधन तथा देश-विदेश में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री जी द्वारा हिंदी में किए गए संबोधन से सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेश में

रहने वाले भारतीयों को भी बहुत गर्व होता है। प्रधानमंत्री जी द्वारा भारत की विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में स्थानीय लोगों को संबोधित करने का प्रयास भी क्षेत्रीय भाषाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक सराहनीय और अनुकरणीय कदम है।

मुझे लगता है कि, जब हम आजादी के 75वें वर्ष में, अमृत पर्व में, प्रवेश कर रहे हैं, तो हमें इस वर्ष राष्ट्रकार्यों को हाथ में लेना चाहिए। महात्मा गांधी जी ने राजभाषा को राष्ट्रीयता के साथ जोड़ा था। हमारे आजादी के आंदोलन के तीन स्तंभ थे, स्वभाषा, स्वदेशी और स्वराज। स्वराज की कल्पना, स्वदेशी के संस्कार से उत्पन्न हुई स्वभाषा। आजादी के आंदोलन की यदि कोई सशक्त नींव थी, तो वह स्वभाषा ही थी। इस स्वभाषा से स्वदेशी के संस्कार ने जन्म लिया, स्वराज की कल्पना मिली, जिसने 15 अगस्त 1947 को आजादी दिलाई। इस आजादी के आंदोलन में हमारी स्वभाषाओं में राजभाषा और स्थानीय भाषाओं की भूमिका पर जो अलग-अलग साहित्य की रचनाएँ हुई हैं, इसका एक संग्रह कर देश के सामने रखना चाहिए ताकि नई पीढ़ी को स्वभाषा का महत्व पता चल सके।

दूसरा विषय जो मेरे मन में है, क्षेत्रीय इतिहास को राजभाषा में ढंग से अनुवादित करना चाहिए। विभिन्न क्षेत्रों की गौरवशाली संस्कृति और उन क्षेत्रों के महानायकों के इतिहास का राजभाषा में सही भाव के साथ अनुवाद होना चाहिए और ये अनुवादित ग्रंथ देश के विभिन्न ग्रंथालयों में उपलब्ध भी होने चाहिए। मैं मानता हूं कि आजादी के 75वें साल में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव पर राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए हमारा बहुत बड़ा काम होगा।

संविधान द्वारा दिए गए राजभाषा संबंधी दायित्वों के निर्वहन की दिशा में माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकारी काम-काज मूल रूप से हिंदी में किया जा रहा है। गृह मंत्रालय में सभी फाइलें हिंदी में प्रस्तुत की जाती हैं, क्योंकि मेरा मानना है कि हिंदी में कार्य कर हम अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन तो कर ही रहे हैं, आम-जन तक सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी आम जनता की भाषा में देने का महत्वपूर्ण काम भी इसके साथ ही होता है।

आइए! हिंदी दिवस के इस पावन पर्व पर हम प्रतिज्ञा लें कि हम अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों का पूर्ण रूप से पालन करेंगे और अधिक से अधिक मूल कार्य हिंदी में कर संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

हिंदी दिवस के अवसर पर सभी देशवासियो को पुनः हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं, वंदे मातरम !

(अमित शाह)

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2021

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

'अपनी जिंदगी एक अमुक लक्ष्य पर फोकस करके, खुद के लिए उपयुक्त एवं संगत कार्य को प्रमुखता देने वाले पर ही सफलता निक्षिप्त है।'

यह स्पष्ट है, गत कई सालों से आम जनता के लिए आवश्यक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यरक्षा सेवायें किफायती मूल्य पर प्रदान कर रहे एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, आज की संकटपूर्ण स्थिति के बीच में भी, पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में रु. 5081 करोड रुपये का रिकॉर्ड व्यापारावर्त्त प्राप्त कर सका। केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से कोविड वैक्सीन के प्रापण एवं वितरण का आदेश मिलने से हमने यह उपलब्धि हासिल करने में समर्थ निकले। आगे के कंपनी के उत्तरोत्तर विकास के लिए हम विहंगम दृष्टिकोण से कई योजनायें बना रहे हैं। इस श्रम में एचएलएल के सभी यूनिटों एवं स्वास्थ्यरक्षा केंद्रों के कर्मचारी एकजुड होकर हमेशा निरत रहते हैं। लेकिन, इस बीच हम कोविड का और एक रूपांतरण - 'ओमिक्रोण' - का भी सामना करते हैं। फिर भी उम्मीद है कि सभी बाधाओं को पार करके उन्नति की ओर अग्रसर होने और अपने लक्ष्य तक पहूँचने में हम ज़रूर कामयाब बन जायेंगे।

साथ ही, संघ सरकार की राजभाषा नीति को लागू करने के अपने दायित्व को भलीभांति मानते हुए, हम हर साल कंपनी में हिंदी में तकनॉलजी सेमिनार, हिंदी स्मरण परीक्षा, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रशिक्षण, अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, कॉलेज विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय राजभाषा सेमिनार, हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए हिंदी प्रतियोगितायें, वाक्पटुता कार्यक्रम आदि विविध कार्यक्रम भी ठीक समय पर आयोजित करते हैं। इसके अतिरिक्त, अपना शासकीय कार्य हिंदी में भी करने के लिए प्रशिक्षित करने की ओर कंपनी के कर्मचारियों को ''प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ एवं पारंगत'' पाठ्यक्रम में भी भर्ती कराते हैं। दरअसल इन कार्यों के परिणामस्वरूप कंपनी राजभाषा कीर्ति पुरस्कार, सहस्राब्दि राजभाषा शील्ड, टोलिक राजभाषा पुरस्कार जैसी उपलब्धियाँ कई बार हासिल करने में सक्षम बन गयी है। इन उपलब्धियों को आगे भी बनाये रखने में हमने भविष्य के लिए राजभाषा से जुडे कार्यकलापों का विस्तृत रूपरेखा तैयार किया है।

आगे मैं, एचएलएल की गृह राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के बत्तीसवाँ अंक बेहद खुशी के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत करना चाहता हूँ। सभी पाठकों से मेरी कामना है, इस पत्रिका के भविष्य के अंकों को बेहतर एवं ज्ञानवर्द्धक बनाने की ओर आपकी प्रतिक्रियाओं से हमें समय पर ही अवगत कराने की कोशिश करें।

हर्दिक शुभकामनाओं सहित।

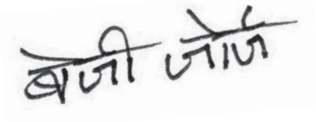

के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादकीय

भारत के आम जन की भाषा हिंदी, व्यक्तियों को अपने विचारों का आपस में संप्रेषण करने का मुख्य साधन है। इस भाषा में सार्वभौमिक चिंतन होने से, आज हिंदी भारत से परे विश्व फलक पर अपना स्थान जमा करके लोकप्रिय भाषा बन गयी है। वैश्वीकरण के इस ज़माने में, केंद्र सरकार के कार्यालयों में, हिंदी के प्रचार - प्रसार एवं विकास की महत्ता को पहचान कर, हम एचएलएल में भी राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर अतीव प्रमुखता देते हैं। साथ ही, राजभाषा नीति का शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने और इस क्षेत्र में निरंतर वृद्धि लाने की ओर हम कंपनी में माहवार हिंदी कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। प्रचलित वर्ष में कंपनी में हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम, हिंदी प्रतियोगिता, हिंदी वाक् - पटुता कार्यक्रम, राजभाषा सेमिनार आदि वैविद्यपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस के अलावा, कंप्यूटर के ज़रिए हिंदी में काम करने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने की ओर हिंदी में तकनॉलजी सेमिनार भी समय - समय पर आयोजित किये गये।

दरअसल, एचएलएल की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया', कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन से जुडे विभिन्न कार्यकलापों एवं कंपनी की अद्यतन परियोजनाओं के विस्तृत विवरण समाहित करने का एकदम उत्तम कैनवास ही है। राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के बत्तीसवें अंक को प्रस्तुत करने में मुझे अतीव खुशी का एहसास हो रहा है। मेरी कामना है कि इस राजभाषा पत्रिका का आगामी अंक और भी ज्ञानवर्द्धक एवं मनमोहक बनाने के लिए हर पाठक अपने मूल्यवान सुझाव से उचित राह दिखायें।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

डॉ.रॉय सेबास्टियन
उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग
(सदैव ऊर्जावान : निरंतर प्रयासरत)

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 तथा राजभाषा संकल्प 1968 के आने अधीनस्थ के हितों का ध्यान रखते हुए; अपने प्रबंधन को और अधिक कुशल और प्रभावशाली बनाते हुए राजभाषा-हिंदी का प्रयोग, प्रचार और प्रसार बढ़ाएंगे। हम राजभाषा के संवर्द्धन के प्रति सदैव ऊर्जावान और निरंतर प्रयासरत रहेंगे ।

जय राजभाषा ! जय हिंद !

डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री - एचएलएल में...

डॉ.मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वक मंत्री, भारत सरकार ने 16 अगस्त 2021 को एचएलएल, केरल, तिरुवनंतपुरम में अपना पहला संदर्शन किया। मंत्री ने एचएलएल के मदर प्लांट पेरूरकडा का संदर्शन किया और फैक्टरी में लगभग एक घंटा बिताया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव श्री राजेश भूषण आई ए एस भी मंत्री के साथ थे। फैक्टरी के प्रवेश द्वार पर श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा पारंपरिक पोन्नाडा के साथ मंत्री का स्वागत किया गया। श्री ई.ए सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), श्री टी. राजशेखर,निदेशक (विपणन) और डॉ.गीता शर्मा,निदेशक(वित्त) ने भी मंत्री का स्वागत किया। विनिर्माण क्षेत्र में जाने पर मंत्री को एचएलएल उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया और फैक्टरी में पालन कर रहे गुणवत्ता नियंत्रण उपायें दिखाई गईं। एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने केंद्रीय मंत्री और सचिव के समक्ष एचएलएल के बारे में एक संक्षिप्त प्रस्तुति की, जिसमें कार्यकलापों, उत्पादों की श्रेणी और स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्र के पहलों का विवरण दिया गया। संक्षिप्त बातचीत के दौरान, मंत्री ने कहा कि कंपनी को दुनिया भर की नवीनतम प्रौद्योगिकी के बारे में गहराई से जानने और उन्हें कंपनी में लागू करने का प्रयास करना चाहिए। ''हमें सदा यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि उत्पादन लागत कैसे कम किया जाए और तकनीकी उत्कृष्टता के माध्यम से अधिक लाभ प्राप्त किया जाए''। ''हमें लगातार समीक्षा करने की आवश्यकता है कि हमारी प्रतियोगी कैसे निष्पादन करती हैं।'' कंपनी को अपने कर्मचारियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण भी देना चाहिए और कर्मचारी मान्यता कार्यक्रमों में नियुक्त करना चाहिए। आगे मंत्री ने कहा ''प्रतिबद्धता और समर्पण सफलता की परम कुंजी है और उन्हें हमारी सभी गतिविधियों में दिखाई देना चाहिए।''

श्री राजेश भूषण आई ए एस, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने 16 अगस्त को एचएलएल की आक्कुलम फैक्टरी का संदर्शन किया। उन्होंने एचएलएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र (सीआरडीसी) का भी संदर्शन किया। उन्होंने एचएलएल की पहल और अनुसंधान एवं विकास में रुचि के बारे में अपनी खुशी व्यक्त की, जो कंपनी को भविष्य में आगे ले जाने के प्रमुख कारक हैं और एचएलएल को उसके सभी प्रयासों के लिए समर्थन दिया।

एचएलएल के मिशन कोविड - 19 की कहानी

स्पैनिश फ्लू, 1918-1919 की इन्फ्लूएंजा महामारी, के 100 से अधिक वर्षों के बाद और 2002-2004 की सार्स महामारी, ने अनुमानित 50 मिलियन लोगों की ज़िंदगी को बर्बाद कर दिया, वर्तमान में दुनिया एक और खतरनाक प्रकोप के परिणाम का सामना कर रही है, जो कोरोना वायरस बीमारी (कोविड-19) महामारी, विश्व स्तर पर 219 से अधिक देशों और राज्य क्षेत्रों में फैल गयी है। महामारी ने दुनिया भर में तबाही मचा दी है और इसका दूरगामी प्रभाव भी पड़ा है। जिस तरह से लोगों ने अपनी जिंदगी बितायी है, इस पर उनके शब्दों में कहें तो कुछ ही महीनों में सब कुछ बदल गया है। लोगों को नई चीज़ों और सैनिटाइज़र, क्वारंटाइन, सामाजिक दूरी, मास्क, लॉकडाउन, वेबिनार और कई अन्य तरीकों की आदत हो गई है।

भारत ने 30 जनवरी, 2020 को केरल राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के पहले पुष्ट मामले की रिपोर्ट करते हुए इस महामारी का सामना किया; उस दिन के साथ मेल खाते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लियु एच ओ) ने इसे अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में घोषित किया। इसके बाद, जब कोविड के मामले लगभग 500 तक पहुँच गए, तो भारत के प्रधान मंत्री ने 24 मार्च, 2020 को देशव्यापी तालाबंदी की घोषणा की। व्यापक रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं पर निर्भर 1.33 बिलियन की आबादी के साथ, इस महामारी के खतरे का सामना करने के लिए स्वास्थ्य रक्षा अवसंरचना को तैयार करना भारत सरकार के लिए युद्ध जैसी स्थिति से कम नहीं था। एचएलएल इस लड़ाई में भारत सरकार के साथ कंधे से कंधे मिला कर काम करके देश भर में वायरस के प्रसार से मुकाबला करने के लिए सभी आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में एक ऐतिहासिक भूमिका निभा रहा है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लियु) ने 21 जनवरी, 2020 को आपातकालीन चिकित्सा वस्तुओं की खरीद और आपूर्ति के लिए एचएलएल को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया।

एचएलएल की भूमिका में चिकित्सा आपूर्ति का प्रापण आयात निकासी, गुणवत्ता आश्वासन, भंडारण और पूरे भारत में आपूर्ति का वितरण शामिल हैं ।

कोविड 19 वायरस का अचानक प्रकोप और इसके नतीजे देश के लिए अभूतपूर्व थे और प्रापण एवं आपूर्ति का काम एचएलएल के लिए भी बहुत मुश्किल था। एचएलएल को, इतने बडे और आकार की महामारी की स्थिति से निपटने का कोई पुराना इतिहास नहीं था। कंपनी ने स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार प्रापण एवं वितरण कार्यों को शुरू किया और उस समय एक परियोजना मोड पर काम करना शुरू किया जब देश राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के अधीन था।

'मिशन कोविड 19' के रूप में नामित, एचएलएल की टीम ने देश भर में सीमावर्ती चिकित्सा कर्मियों के लिए सर्जिकल मास्क, सुरक्षात्मक सूट और सुरक्षा चश्मे सहित चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी बाधाओं का मुकाबला किया। कोविड 19 मिशन की पूरी गतिविधियों का नेतृत्व एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस द्वारा किया गया। श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), श्री टी. राजशेखर, निदेशक (विपणन) और डॉ गीता शर्मा, निदेशक (वित्त) ने मिशन के विभिन्न पहलुओं के लिए नेतृत्व दिया। एचएलएल ने प्रत्येक राज्य में नोडल अधिकारियों की एक समर्पित टीम और चिकित्सा उपकरणों के सोर्सिंग, लॉजिस्टिक्स, प्रेषण और डेटा रखरखाव के उद्देश्य के लिए 1510 लोगों की एक टास्क फोर्स को तैनात किया।

एचएलएल को 'एकल ख़िड़की प्रापण एजेंसी' के रूप में नामित

सुनामी से लेकर हाल ही के केरल बाढ़ तक एचएलएल, ऐसी स्थितियों को निपटने में अपने अनुकरणीय ट्रैक रिकॉर्ड और इसके प्रचालन में बनायी रखी तीव्र पारदर्शिता के कारण चिकित्सा आपूर्तियों के आपातकालीन प्रापण एवं वितरण के लिए, हमेशा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की पहला विकल्प रहा है।

01 मार्च 2020 को, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लियु एच ओ) द्वारा पीपीई की वैश्विक कमी की बात करने से दो दिन पहले, भारत ने भी कोविड 19 के लिए उपयुक्त पीपीई कवरॉल के उत्पादन की कमी का सामना किया। जहाँ तक पीपीई किट की बात है, भारत पूरी तरह से आयात पर निर्भर था। इन साधनों की आपूर्ति के लिए केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं से भारी मात्रा में ऑर्डर आ रहे थे। लॉकडाउन लागू होने के तुरंत बाद, महामारी प्रेरित स्थितियों के विभिन्न पहलुओं को पूरा करने के लिए आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत सचिवों के 11 सशक्त दल (ईजी) का गठन किया गया। सशक्त दल 3 (ईजी 3) को आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और उत्पादन, प्रापण, आयात और वितरण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। जनवरी 2020 में, मुख्य रूप से प्रयोगशाला उपयोग और आपातकालीन सेटिंग्स के लिए ईएमआर प्रभाग के पास केवल 2,75,000 पीपीई किट उपलब्ध थे। इसलिए, ईजी 3 ने तत्काल ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आयात का आदेश देने के लिए एक रणनीति तैयार की, समानांतर रूप से, संबद्ध उत्पादों के निर्माताओं को आवश्यक वस्तुओं के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया गया और 'मेक इन इंडिया' पर ज़ोर दिया गया। इस दल ने पीपीई, एन 95 मास्क, वेंटिलेटर और उनके इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स, एक्सट्राक्शन किट्स, स्वैब, आरटीपीसीआर आदि के स्वदेशी विकास का प्रस्ताव रखा।

इस संबंध में, कपड़े और परिधान निर्माताओं को युद्ध स्तर पर उपयुक्त उत्पाद और निर्माण क्षमता विकसित करने के लिए आमंत्रित करते हुए वस्त्र मंत्रालय (एमओटी) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से एक आउटरीच कार्यक्रम भी शुरू किया गया। इसके बाद भारत में गुणवत्ता प्रमाणित पीपीई के मौजूदा उत्पादन को सुधारने और कोविड 19 के प्रति रोकथाम, रक्षा और उपचार की स्थिति में सुधार लाने के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर सरकारों, उद्योगों और श्रमिकों के बीच सहयोग की एक उल्लेखनीय यात्रा थी। ईजी 3 के निर्देशों के आधार पर, एचएलएल ने एएसटीएम एफ 1670 के अनुसार सिंथेटिक रक्त प्रवेश परीक्षण के लिए अपने कवरॉल का परीक्षण करने और वस्त्र मंत्रालय (एमओटी) द्वारा नामित प्रयोगशालाओं द्वारा अनुमोदित होने के बाद विनिर्माताओं/आपूर्तिकर्ताओं से पीपीई कवरॉल का प्रापण किया।

60 दिनों में, भारत के पीपीई उद्योग में 56 गुना वृद्धि।

आज भारत प्रतिदिन 4.5 लाख पीपीई कवरॉल और 2.3 लाख एन 95 मास्क का विनिर्माण करता है। भारत अब पीपीई किटों के विनिर्माण में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है।

एचएलएल ने महामारी के समय में 151.11 (15.11 मिलियन) कवरॉल, 249.49 लाख (24.94 मिलियन) एन 95 मास्क, 102 लाख दस्ताने (10.20 मिलियन) और गोगल्स 123 लाख (12.30 मिलियन) का प्रापण किया।

एचएलएल ने प्रापण किये आपातकालीन चिकित्सा वस्तुओं के लॉजिस्टिक्स और वितरण के लिए एंड टू एंड समाधान भी प्रदान किया। राज्य और केंद्र सरकारी संस्थानों को आपूर्तियों की प्राप्ति, उनके लेखांकन, पुनः पैकिंग और आपातकालीन चिकित्सा मदों के समय पर प्रेषण सुकर करने के लिए भारत के 8 रणनीतिक स्थानों यानी चेन्नै, मुंबई, कोलकाता, बैंगलोर, चंडीग़ढ, दिल्ली, अहमदाबाद और गुड़गांव, में लॉजिस्टिक्स सुविधा सहित अवसंरचना

गोदाम भी संस्थापित किए गए। 29 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल करके 160 से अधिक सरकारी चिकित्सा संस्थानों को आपातकालीन आपूर्ति वितरित की गई। व्यक्तिगत संरक्षण उपकरणों के शुद्ध आयातक होने से, भारत ने एमओसीए, भारत के दूतावासों और एयरलाइंस द्वारा संयुक्त रूप से निगरानी किए जा रहे लगभग 30 मापदंडों के साथ सुरक्षात्मक गियर सावधानीपूर्वक उड़ान योजना के निर्यात में पहला कदम भी उठाया है। एचएलएल विभिन्न देशों को लगभग 23 लाख पीपीई किट सफलतापूर्वक निर्यात कर सका है। कोविड 19 के खिलाफ लड़ाई में खड़े होने के लिए स्वास्थ्यरक्षा सिस्टम को बेहतर बनाने की ओर अन्य आपातकालीन अपेक्षायें वेंटिलेटर और ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर थे। वेंटिलेटर का प्रापण भी एचएलएल के साथ निहित थी।

कोविड 19 के प्रकोप के दौरान, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड 19 के उपचार के लिए हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन और एज़िथ्रोमाइसिन दवाओं के उपयोग की सिफारिश की थी। इसके बाद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एचएलएल को, मार्च 2020 में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन 200 एमजी की 75 लाख गोलियों के प्रापण करने का निर्देश दिया और अप्रैल 2020 के पहले सप्ताह के दौरान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एचएलएल को हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन 200 एमजी के अतिरिक्त 10 लाख गोलियां और एज़िथ्रोमाइसिन 500 एमजी के 25 लाख गोलियों के प्रापण करने का एक और आदेश जारी किया। एचएलएल ने खरीद आदेश के अनुसार एज़िथ्रोमाइसिन 500 मिलीग्राम का वितरण सफलतापूर्वक पूरा किया और सभी वितरण जीएम एसडी गोदाम दिल्ली में किये गये।

एचएलएल के सोर्सिंग विभाग को मुख्य रूप से सभी प्रापण के लिए नामित किया गया था, आयात के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रभाग, गुणवत्ता अनुपालन के लिए कॉर्पोरेट गुणवत्ता आश्वासन और वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स कार्यों के लिए विपणन प्रभाग। एचएलएल ने प्रणालीगत एवं सरल प्रापण तंत्र सुनिश्चित करके काम का निष्पादन किया है और इस प्रक्रिया में संस्थागत प्रणाली की स्थापना की, जिसका भविष्य में अनुकरण किया जा सकें।

एचएलएल द्वारा भारतीय निर्माताओं से प्रापण किये गये आपातकालीन चिकित्सा आपूर्तियों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करने वाली एक तालिका नीचे दी गई है।

उत्पाद	विनिर्माताओं की संख्या	प्रापण की गयी मात्रा
कवरॉल	97	1,51,11,847
एन 95 मास्क	10	2,49,49,830
दस्ताने	06	1,02,69,608
गोग्लस	34	1,23,00,100
हैंड सैनिटाइज़र	10	11,10,466
वेंटिलेटर	06	36,202

आपातकालीन प्रतिक्रिया दल : इस दल ने विभिन्न राज्यों और केंद्र सरकार के संस्थानों में पीपीई के परिवहन में आपूर्ति श्रृंखला की गड़बड़ियों का अनुमान लगाने और उन्हें हल करने पर ध्यान देने के साथ 24x7 घंटे काम किया है। आपातकालीन आपूर्ति, जिसमें निविदाएँ जारी करना, प्राप्त प्रस्तावों का तेजी से मूल्यांकन, आदेशों की निर्बाध व्यवस्था, आपूर्तिकर्ताओं के साथ शीघ्र संचार और निर्दिष्ट स्थानों पर माल की समय पर प्राप्ति और भुगतान की प्रक्रिया शामिल हैं, के प्रापण के लिए सोर्सिंग प्रभाग के तहत 24x7 घंटे काम करनेवाले एक विशेष दल का गठन किया गया था।

भारत में 8 रणनीतिक स्थानों यानी चेन्नै, मुंबई, कोलकत्ता, बैंगलोर, चंडीगढ़, दिल्ली, अहमदाबाद और गुडगांव (3.45 लाख वर्गफुट के कुल क्षेत्र को आवरित करते हुए) में आपूर्ति की प्राप्ति, उनके लेखांकन, पुनःपैकिंग और राज्य एवं केंद्र सरकार को आपातकालीन चिकित्सा मदों के समय पर प्रेषण की सुविधा के लिए लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के साथ एकीकृत गोदामों का संस्थापन। कुशल लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के लिए एक व्यापक समाधान के रूप में आईटी सक्षम गोदाम प्रबंधन प्रणाली (जिसे स्विम कहा जाता है) जिसमें गोदाम प्रबंधन, गोदाम स्वचालन, परिवहन और अनुबंध प्रबंधन, सुरक्षित परिवहन के लिए शिप्पिंग लॉजिस्टिक्स और देश में विभिन्न लाभार्थि स्थानों पर सामग्री का वितरण शामिल हैं।

समर्पित भुगतान प्रकोष्ठः समर्पित भुगतान प्रकोष्ठ ने एचएलएल गोदामों में माल की प्राप्ति की तारीख से 5 दिनों के भीतर 100%

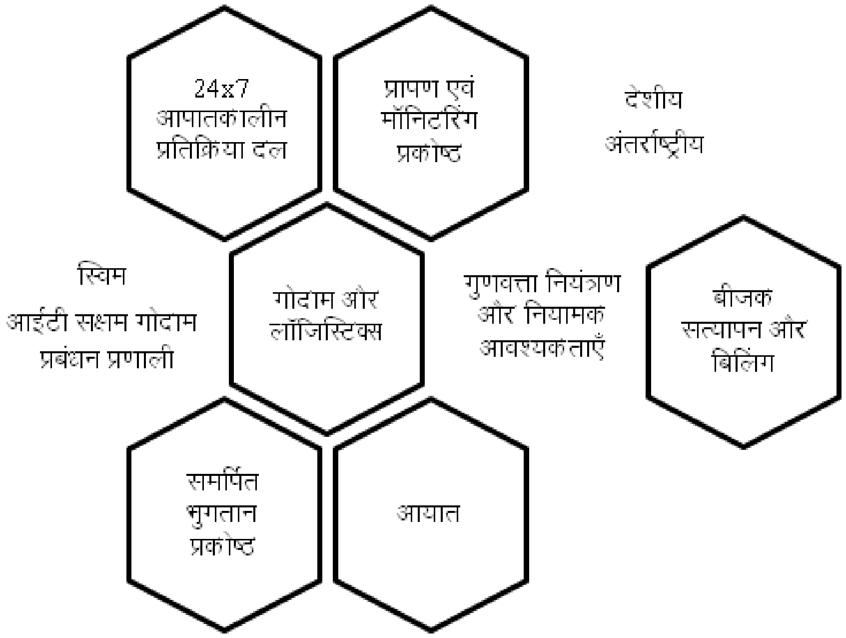

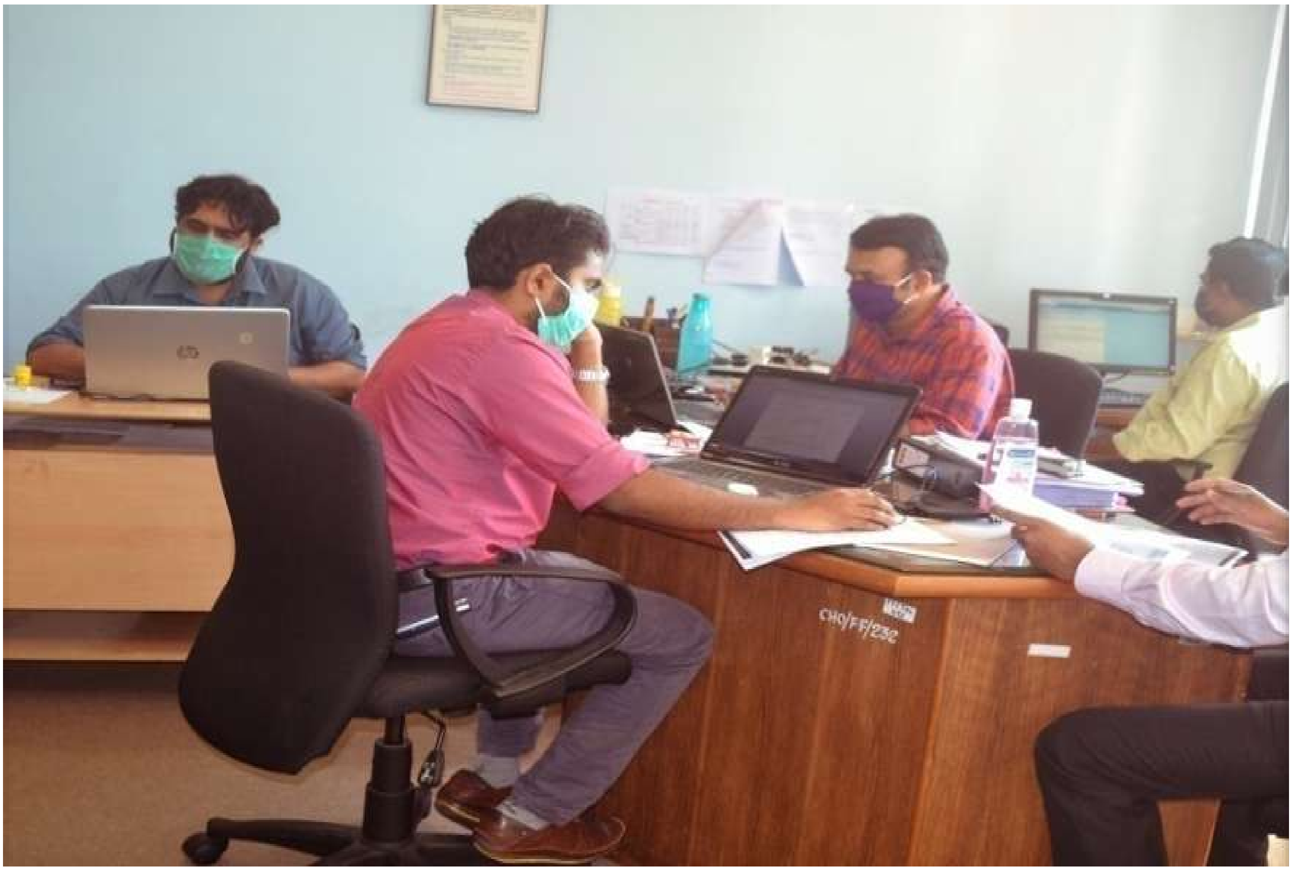

भुगतान सुनिश्चित करने के लिए काम करना शुरू कर दिया। सभी आपूर्तिकर्ताओं के साथ एक गूगिल ड्राइव साझा किया गया था ताकि वे ड्राइन में बीजक और रसीद पावती के स्कैन की गई प्रतियाँ अपलोड कर सकें। भुगतान उसी के आधार पर संसाधित किए गए और रसीद को गोदाम सोफ्टवेयर से सत्यापित किए गए।

आयात दल : कई हितधारकों अर्थात् चीन और सिंगपूर में भारत के दूतावास, एमओएचएफडब्लियु, एमईए, नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय आपूर्तिकर्ता और अंतर्राष्ट्रीय दाता जैसे रेड क्रॉस, यूनिसेफ, युएसएआईडी आदि के साथ आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति के आयात के समन्वयन के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रभाग के तहत एक विशेष टीम का गठन किया गया था। नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर समय पर सीमा शुल्क निकासी सहित लगभग 3000 मेट्रिक टन एयरलिफ्ट करने के लिए करीब 120 उडान संचालन की योजना बनाई गई थी।

एचएलएल ने विभिन्न विनिर्माताओं द्वारा आपूर्ति किए जा रहे पीपीई की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक प्रणालीगत गुणवत्ता नियंत्रण (क्यू सी) कार्यक्रम अपनाया था। इस क्यूसी कार्यक्रम के तहत, सभी विनिर्माताओं के नामित नमूनों की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया और गैर-अनुपालन के लिए उपाय लिया गया।

कोविड-19 महामारी के प्रबंधन के लिए एचएलएल द्वारा विनिर्माण नवाचार

भारत सरकार ने न केवल सामाजिक दूरी तंत्र को अपनाकर बल्कि सुरक्षा प्रोटोकॉल और प्रथाओं को बढावा देकर कोविड के प्रसार का सामना किया, जिसमें हैंड सैनिटाइज़र, रोगाणुनाशक, फेस मास्क और बीमारी का जल्द पता लगाने के लिए टेस्ट किट का प्रभावी उपयोग शामिल हैं। 'मेक इन इंडिया' की कार्यसूची को बढ़ावा देने के लिए, एचएलएल ने महामारी के दौरान निम्नलिखित आवश्यक मदों के विनिर्माण का उपाय किया।

1.**रैपिड एंटीबॉडी स्क्रीनिंग किट :** एचएलएल पहली सरकारी संस्था है जिसे कोविड 19 का पता लगाने के लिए रैपिड एंटीबॉडी के विनिर्माण और आपूर्ति के लिए आईसीएमआर से मंजूरी मिली है। मनेसर, हरियाणा में अपनी विनिर्माण सुविधा में विनिर्मित किटों को नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), पूणे द्वारा मान्य किया गया था और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से लाइसेंस भी प्राप्त किया था। एचएलएल ब्रांड नाम 'मेकशुवर'के तहत विभिन्न सरकारी संस्थानों के साथ-साथ देश भर के अनुमोदित निजी संगठनों को किट की आपूर्ति की गई।

2.'वेंडिंगो' ब्रांड नाम के हैंड सैनिटाइज़र वेंडिंग मशीन सैनिटाइज़र के संपर्क रहित वितरण को सुनिश्चित करती है और एक ही रिफिल में **1500** चक्र संचालन है। इसे विभिन्न सरकारी, गैर-सरकारी संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों, पुलिस विभागों आदि में स्थापित किया गया था।

3.**पोर्टेबल यूवी सैनिटाइज़र :** एचएलएल ने पोर्टेबल यूवी सैनिटाइज़र विकसित किया जिसमें **20** मिनिट के लिए अपने कैबिन के अंदर रखी वस्तुओं को कीटाणुरहित और साफ करने के लिए यूवीसी (लघु तरंग अल्ट्रावायलेट) प्रकाश शामिल है। यह निजी सामान जैसे वालेट,

हैंडबैग, मोबाइलफोन और फाइलों, कैलकुलेट र,ऑफिस सील आदि सहित ऑफिस स्टेशनरी को कीटाणुरहित करने के लिए उपयुक्त है।

4.चित्रा स्वाब संग्रहण और जाँच बूथ : श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (एससीटीआईएमएसटी) के साथ तकनीकी सहयोग में, एचएलएल ने कोविड रोगियों के साथ निकटता में काम कर नेवाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए एक लाइन-ऑफ-

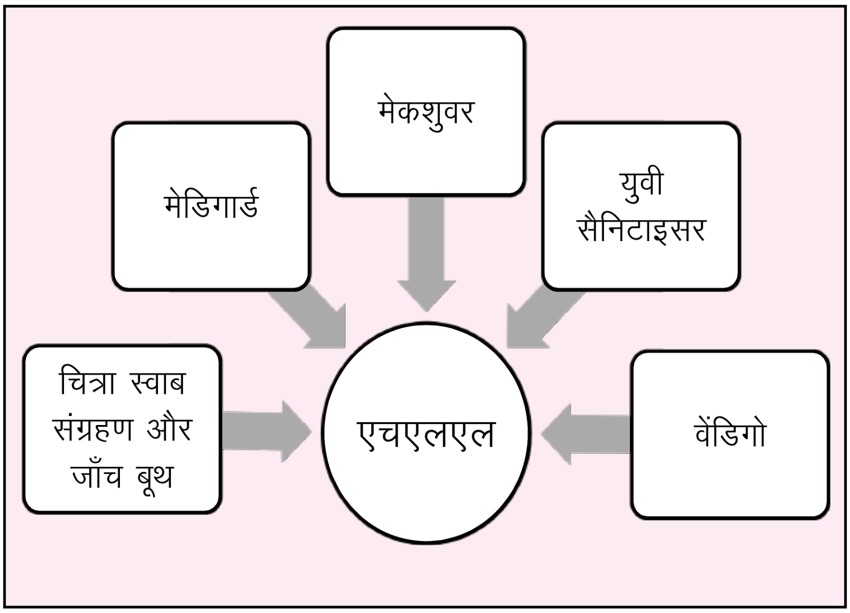

डिफेंस प्रदान करने के लिए चित्रा स्वाब संग्रहण बूथ और जाँच बूथ भी बनाया है।

5. चित्रा 'कीटाणुशोधन गेटवे' : एक कीटाणुशोधन सुरंग का निर्माण, जिसका उपयोग सार्वजनिक स्थानों पर एससीटीआईएमएसटी के तकनीकी सहयोग से प्रवेश/निकास से पहले कपडों, बैग और व्यक्तियों के हाथों पर वायरल लोड को कम करने के लिए किया जा सकता है।
6.मेसर्स ऑर्डिनेंस फैक्टरी बोर्ड के सहयोग से डब्लियुएचओ विनिर्देशों के अनुसार **'मेडिगार्ड'** ब्रांड नाम के तहत **हैंड सैनिटाइज़र** का इन-हाउस विनिर्माण।

एचएलएल कर्मचारियों के लिए स्वस्थ रहें नीति

व्यावसायिक गतिविधियों के अलावा, एचएलएल ने अपने कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल स्व-च्छता प्रणाली लागू की है। एचएलएल ने वरिष्ठ जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. राजन (जनरल मेडिसिन में एमडी, पल्मनरी मेडिसन) के द्वारा कोरोना वायरस (कोविड 19) के बारे में क्या करें और क्या न करें के प्रति जागरूकता पैदा करने और बीमारी के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोकने की तरीके के बारे में एक भाषण का आयोजन किया। डब्लियुएचओ द्वारा 'कोविड 19 से खुद को कैसे बचाएं' पर एक लघु वीडियो को आंतरिक संचार प्रणाली और सोशल मीडिया के माध्यम से भारत भर के अपने सभी यूनिटों और कार्यालयों में प्रदर्शित किया गया है।

एचएलएल ने यूनिटों में कोविड वायरस के प्रसार को कम करने के लिए निम्नलिखित निवारक उपाय लागू किया है।
1.सभी प्रमुख यूनिटों के प्रवेश द्वार पर संभावित वाहकों के प्रभावी अलगाव के लिए थर्मल स्कैनर का उपयोग करके तापमान की निगरानी।
2.कार्यालय/फैक्टरी में प्रवेश करने से पहले हाथ धोने के लिए मुख्य गेट के प्रवेश द्वार पर स्थापित साबुन डिस्पेंसर/सैनिटाइज़र के साथ धुलाई कियोस्क।
3.कामगारों/कार्यपालकों और आगंतुकों के उपयोग के लिए यूनिटों/कार्यालयों में विभिन्न पॉइन्टों पर रखे हैंड सैनिटाइज़र/डिस्पेंसर।
4.सभी प्रमुख यूनिटों में निर्धारित अंतराल पर ऑनलाइन फ्यूमिगेशन किया जा रहा है।
5.शॉपफ्लोर के अधिभोग को कम करने के लिए सुव्यवस्थित और शिफ्ट योजना।
6.पंचिंग को गैर-अनिवार्य बनाकर काम करने के मानदंडों में ढील देना, ऑनलाइन प्लेटफॉम के माध्यम से कर्मचारियों की बैठकें/सभाएँ की और बाहरी यात्रा को कम किया।
7.कीटाणुनाशक से दरवाज़े के हैंडल/फर्नीचर आदि की नियमित सफाई।
8.संदूषण के यादृश्चिक स्रोत को कम करने के लिए न्यूनतम आगंतुक प्रविष्टि।

भारत की कोविड लडाई की कहानी एचएलएल के उल्लेख के बिना पूरी नहीं होगी। कंपनी को आज एक सामाजिक मामले के लिए अथक प्रयास करने पर गर्व है। ईजी 3 के सदस्यों और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन ने एचएलएल को मिशन कोविड 19 के सुचारू निष्पादन में मदद की है। एचएलएल अभी भी इस महामारी से लडने की राह पर है और सकारात्मक दिशा में आगे बढ रहा है।

एचएलएल का वेंडिंग व्यवसाय प्रभाग : भारत की बेटियों की भलाई की ओर प्रतिबद्ध

इसके विनम्र शुरुआत से लेकर 22 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों को छूने वाले राष्ट्रव्यापी नेटवर्क तक वेंडिगो का नाम अब एक दशक से भी कम समय में महिलाओं के लिए घरेलू नाम बन गया है। सैनिटरी नैपकिन से लेकर इंसीनरेटर तक, मेंस्ट्रुअल कप से लेकर जागरूकता कार्यक्रमों तक, वेंडिगो की यात्रा एक उद्देश्य से बंधी थी - महिलाओं का कल्याण। 2011 में, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लियु) ने भारत में मासिक धर्म स्वच्छता में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रारंभ किया। एचएलएल ने इस परियोजना में मंत्रालय के साथ भागीदारी की और भारत में सभी मासिक धर्म वाली महिलाओं को उनकी उंगलियों पर किफायती और गुणवत्ता वाले सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने के लिए गहन प्रयास प्रारंभ किया।

पहले चरण के दौरान, 2011-2012 में ''फ्री डेज़'' ब्रांड नाम पर मुफ्त सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए। वर्ष 2014 में, वेंडिंग व्यवसाय प्रभाग किफायती और स्वच्छ सैनिटरी नैपकिन को आसान पहूँच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया।

दूसरे चरण में, ''वेंडिगो'' मशीनों की अवधारणा की गई। वेंडिगो एक वेंडिंग मशीन है जो सिक्कों को डालने पर गुणवत्तापूर्ण सैनिटरी नैपकिन देती है। जब वेंडिंग मशीनों की आपूर्ति शुरू की गई, तब नैपकिन का निपटान एक बडी चुनौती बन गयी। इस चुनौती को दूर करने के लिए, एचएलएल ने उपयोग किए गए पैड के सुरक्षित निपटान के लिए ''वेंडिगो'' सैनिटरी नैपकिन इंसीनरेटर भी पेश किया।

एचएलएल वीबीडी अब स्त्री स्वच्छता श्रेणी में व्यापक समाधान प्रदान करता है, इनमें मजबूत स्वचालित सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन, उच्च गुणवत्ता एवं किफायती सैनिटरी नैपकिन और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से सैनिटरी नैपकिन और डायपर को निपटाने के लिए इंसीनरेटर शामिल हैं। भारतीय महिलाओं के बीच स्त्री स्वच्छता में व्यवहारिक बदलाव लाने के लिए, एचएलएल वीबीडी अपने भागीदारों को मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) कार्यक्रम भी प्रदान कर रहा है। मेंस्ट्रुअल कप (एम-कप), होम इंसीनरेटर, मिनी इंसीनरेटर और कम्यूनिटी इंसीनरेटर जैसे नए उत्पादों को भी हाल ही में इसके उत्पादों और सेवाओं की श्रेणी में जोडा गया है।

वेंडिंग मशीन की विशेषताएं : एचएलएल वेंडिंग मशीनों पर एक साल की वारंटी और अतिरिक्त लागत पर दो साल के अतिरिक्त अनुरक्षण भी हैं। जीएसएम और आरएफआईडी मशीनों में जोडा जा सकता है जो सैनिटरी पैड का वितरण और स्टॉक को मॉनिटर करने के लिए मशीन के साथ आसानी से चालू करने में मदद करते हैं। वेंडिगो इंसीनरेटर सभी संक्रामक घटकों को हटाकर गंदे पैड को पूरी तरह से जलाता है और एक बाँझ, गैर - प्रतिक्रियाशील राख छोड देता है। यह पद्धति अन्य निपटान साधनों जैसे शहरी सीवेज सिस्टम,लैंडफिल, ग्रामीण क्षेत्रों और जल निकायों में डंपिंग के सभी दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभावों को समाप्त करती है।

एचएलएल उपयोगकर्ता की आवश्यकता के आधार पर चार अलग-अलग प्रकार के इंसीनरेटर प्रदान करता है:

- रेगुलर इंसीनरेटर
- होम इंसीनरेटर
- मिनी इंसीनरेटर, और
- कम्यूनिटी इंसीनरेटर

'वेंडिगो' इंसीनरेटर्स केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्रमाणन प्राप्त करने वाला पहला इंसीनरेटर था। एचएलएल वीबीडी ने अब तक भारत के आरपार 16901 वेंडिंग मशीन और 19531 इंसीनरेटर संस्थापित किए हैं। वीबीडी का अन्य महत्वपूर्ण मील पत्थर रहा है इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के रिटेल आउटलेट में वेंडिंग मशीन और

इंसीनरेटर की शुरूआत। ये मशीनें उत्तर प्रदेश के अंतर्देशीय इलाकों के विभिन्न जिलों के 250 स्थानों पर संस्थापित की गयी थीं। मशीनें राज्य भर में महिला यात्रियों की मदद करेंगी।

एचएलएल ने शिक्षा विभाग, आंध्र प्रदेश के साथ भागीदारी की और 3315 स्कूलों में मशीनें संस्थापित कीं। एचएलएल ने भारत में पहली बार बायोडिग्रेडेबल नैपकिन भी पेश किया और आंध्र प्रदेश के 8401 स्कूलों में नैपकिनों की आपूर्ति की है। यह प्रधान सचिव, महिला एवं बाल विकास, आंध्र प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में एपीएचआरडीआई के एक कार्यकारी ग्रूप का भी भाग है।

वीबीडी ने हाल ही में मासिक धर्म के लिए एक सुरक्षित समाधान के रूप में उच्च गुणवत्ता वाली किफायती मेंस्ट्रुअल कप पेश किया है। वीबीडी केएसडब्लियुडीसी, षी-पैड परियोजना के माध्यम से कोट्टयम जिले के वाषूर में पायलट परियोजना लागू किया है। वीबीडी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के ज़रिए उत्पाद को बढ़ावा देने की योजना बनाता है।

मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम

वीबीडी ने किशोर स्वास्थ्य खंड में सुधार लाने के लिए कार्यक्रमों को भी डिजाइन और विकसित किया है। कार्यक्रम में एमएचएम जागरूकता सत्र, लिंग अध्ययन और सामाजिक जागरूकता, जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास, आहार पोषण और प्रतिरक्षा शामिल हैं। केरल में पहला व्यापक मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया जिस में मुफ्त सैनिटरी नैपकिन, इंसीनरेटर की आपूर्ति और एमएचएम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शामिल था। यह कार्यक्रम लगभग 1500 स्कूलों को समाविष्ट किया गया और 775 स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन कार्यकम आयोजित किये गये। कोविड 19 महामारी को ध्यान में रखते हुए और स्कूलों के प्रतिबंधों के कारण कार्यक्रम अभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के ज़रिए आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम को अब किशोर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के रूप में पुनः नामकरण दिया गया है जिस में जीवन और व्यक्तिगत कौशल विकास, लिंग अध्ययन और सामाजिक जागरूकता, आहार पोषण और प्रतिरक्षा शामिल हैं।

प्रमाणन

वीबीडी को निम्नलिखित केंद्र सरकार विभागों से मान्यता प्राप्त हैः

1.स्कूल शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्रालय (अनुबंध-क)
2.शहरी विकास मंत्रालय (अनुबंध -2) दिनांक 21 जून, 2017
3.विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन मंत्रालय
4.स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
5. डॉ. माशेलकर समिति, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रौद्योगिकी
6. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

साझेदार

वीबीडी के सीपीएसयु साझेदार

- एनसीएल
- एमआरपीएल
- आईओसीएल
- एचपीसीएल
- एनटीपीसी
- एल & टी
- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड
- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

(एएआईडब्लियुएए - कल्याणमयी)

साझेदार

क्रम सं	राज्य	संस्थान
1	केरल	केरल राज्य महिला विकास निगम और एलएसजीडी
2	तेलंगाना	टीटीडब्लियुआरईआईएस (आदिवासी विभाग)
3	आंध्रा प्रदेश	स्कूल शिक्षा विभाग, स्वच्छ आंध्रा निगम
4	ओडिशा	भुवनेश्वर मुनिसिपल कॉर्पोरेशन
5	छत्तीसगढ	महिला एवं बाल विकास विभाग
6	हरियाना	स्कूल शिक्षा विभाग
7	पश्चिम बंगाल	उच्च शिक्षा विभाग और तकनीकी शिक्षा विभाग
8	राजस्थान	शहरी विकास विभाग
9	हिमाचल प्रदेश	स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा
10	पंजाब	तकनीकी शिक्षा विभाग और कई अन्य

कोविड प्रबंधन के लिए वीबीडी उत्पाद

कोविड महामारी के दौरान, वीबीडी ने कोविड के प्रबंधन के लिए कई उत्पाद पेश किए और अब पूरे भारत में विभिन्न संस्थानों और राज्य सरकारों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार बन गया है।

कोविड -19 उत्पादों की रेंज

1. हैंड सैनिटाइज़र के लिए वेंडिंग मशीन
2. यु वी सैनिटाइज़र बॉक्स
3. सैनिटाइज़र्स
4. पैर संचालित सैनिटाइज़र डिस्पेंसर
5. आईआर थर्मल स्कैनर के साथ मास्क और सैनिटाइज़र वेंडिंग मशीन

बदलते समय के साथ वीबीडी विकसित हुआ है। यह प्रभाग मासिक धर्म प्रबंधन का पूर्ण समाधान प्रदान करता है और अब अपशिष्टप्रबंधन और कीटाणुनाशन के क्षेत्रों में प्रवेश कर रहा है। वीबीडी द्वारा पेश किए जा रहे उत्पादों की वहनीयता, अभिगम्यता और स्वच्छता हमेशा प्रमुख ताकत रही है।

एचएलएल से रु.5081 करोड का रिकॉर्ड व्यापारावर्त्त - पिछले वर्ष की तुलना में 203% अधिक

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड ने पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 203 % की भारी वृद्धि पंजीकृत करते हुए रु.5081 करोड रुपए का रिकॉर्ड व्यापारावर्त्त पंजीकृत किया है। वर्ष 2019-2020 का व्यापारावर्त्त रु.1665 करोड था। कंपनी ने रु.112.33 करोड के कर के बाद लाभ (पीएटी) और रु.124.68 करोड के कर के पूर्व लाभ पंजीकृत किया है। इस अवसर पर एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बेजी जोर्ज आई आर टी एस ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2020-2021 की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ भारत सरकार के सक्रिय समर्थन और हम पर उनके निरंतर विश्वास के बिना संभव नहीं होतीं। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने एचएलएल के कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता की सराहना की, जो इन उच्च परिणामों को संभव बना दिया। सस्ती मूल्यों पर उच्च गुणवत्ता वाले गर्भनिरोधकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करके राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए 1966 में संस्थापित एचएलएल ने 118 देशों में फैल कर, अपने पंखों में विभिन्न स्थानों पर 6 समनुषंगी, 21 कार्यालय और 7 विनिर्माण यूनिटों को लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा का वैश्विक कॉर्पोरेट बनने के लिए वर्षों से यात्रा की है। अमृत (चिकित्सा के लिए किफायती दवाएं एवं विश्वसनीय इम्प्लांट्स) - रिटेल फार्मेसी स्टोर्स,हिंदलैब्स - किफायती और गुणवत्ता डायग्नोसिस और रिटेल आउटलेट्स, एचएलएल फार्मेसी और ऑप्टिकल्स के माध्यम से सेवाओं में प्रवेश, इन परियोजनाओं से एचएलएल को इस उल्लेखनीय वृद्धि प्राप्त करने में काफी मदद मिली है। एचएलएल कोविड 19 से संबंधित आपातकालीन चिकित्सा मदों के प्रापण और आपूर्ति के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की नोडल एजेंसी भी रही है। एचएलएल की भूमिका में चिकित्सा आपूर्ति, आयात निकासी, गुणवत्ता आश्वासन, एवं भंडारण और अखिल भारतीय आपूर्ति का वितरण शामिल है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा - ''एचएलएल, श्री मनसुख मांडविया, केंद्रीय मंत्री (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय), संघ सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय) और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की ऋणी है, जिन्होंने कोविड 19 से संबंधित आपातकालीन आपूर्ति के प्रापण और वितरण के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त करके एचएलएल पर अपना विश्वास जताया है।'' कोविड 19 के खिलाफ भारत सरकार की लडाई और कोविड 19 महामारी के प्रबंधन के लिए समय पर आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करने के मिशन में एचएलएल पिछले 17 महीनों के दौरान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर सका है।

एचएलएल - राजभाषा कार्यान्वयन पर महत्ता देती कंपनी

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2021

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के प्रचलित वर्ष के हिंदी पखवाड़ा समारोह एक हिंदी उत्साह - सा विभिन्न कार्यक्रमों से मनाया गया। इसका उद्‌घाटन समारोह हिंदी दिवस पर यानी 14 सितंबर, 2021 को आयोजित किया। एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस ने इसका उद्‌घाटन करते हुए केंद्र सरकार द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग बढाने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण मदों का उल्लेख किया। आगे उन्होंने बताया कि देश भर फैली कोविड महामारी के बीच में भी पिछले डेढ सालों से हम ऑनलाइन के ज़रिए विविध हिंदी कार्यक्रम सम्यक रूप से आयोजित करने में सक्षम बन गये हैं। इस प्रकार हिंदी पखवाड़ा समारोह आयोजित करने का उद्देश्य अपना शासकीय काम हिंदी में भी करने की ओर कर्मचारियों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना और इसके लिए अनुकूल वातावरण बना देना है।

आगे एचएलएल के उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) डॉ.रॉय सेबास्टियन ने सम्माननीय केंद्र गृह मंत्री के हिंदी दिवस का संदेश पढ़ा। कंपनी के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), श्री ई.ए. सुब्रमण्यन द्वारा राजभाषा प्रतिज्ञा लिया गया और समारोह में उपस्थित सभी सज्जनों ने इसके साथ दिया। श्री एन.अजित, उपाध्यक्ष (विपणन) ने अपने आशीर्वाद भाषण में हिंदी भाषा के प्रचार - प्रसार की आवश्यकता को स्पष्ट किया।

इस अवसर पर राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करनेवाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने की ओर, सुरक्षा नीति के बारे में हिंदी में नाटक - 'जापान से आये पाँच एस मित्र' - लिखे श्री पी.के. नरेंद्रकुमार, सहायक प्रबंधक, एचएलएल सीआरडीसी को श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने स्मृतिचिह्न एवं नकद पुरस्कार प्रदान किया।

एचएलएल के सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), डॉ.वी.के.जयश्री और हिंदी अनुवादक, एचएलएल काक्कनाड फैक्टरी, श्रीमती सेल्मा स्करिया ने क्रमशः स्वागत एवं कृतज्ञता की भूमिका निभायी। इस समारोह- में श्रीमती अजित्रा मधु, हिंदी अनुवादक, एचएलएल आक्कुलम फैक्टरी ने कंपयरिंग किया।

हिंदी प्रतियोगिताएँ

हिंदी पखवाड़ा समारोह के सिलसिले में 16 - 20 सितंबर 2021 तक कंपनी के कर्मचारियों और 21.10.2019 को कर्मचारियों के बच्चों (कॉलेज, हाई स्कूल, मिडिल स्कूल, प्राइमरी स्कूल) के लिए विविध हिंदी प्रतियोगिताएँ (हिंदी फिल्मी गीत, हिंदी देशभक्ति गीत, हिंदी राष्ट्रगीत, प्रशासनिक शब्दावली, टिप्पण और आलेखन, हिंदी कविता पाठ) चलायी गयीं। इन प्रतियोगिताओं में कंपनी के विभिन्न यूनिटों से 48 कर्मचारियों तथा 31 बच्चों ने भाग लिए। पिछले वर्ष के समान इस बार भी सभी प्रतियोगितायें ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित की गयीं।

हिंदी वाक्-पटुता कार्यक्रम

हिंदी में भाषण देने तथा दूसरों से बात करने का झिझक दूर करने के लिए कंपनी के कर्मचारियों को अवसर प्रदान करने के लक्ष्य से 12 अक्तूबर, 2021 को **"देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में एचएलएल की भूमिका"** विषय पर ऑनलाइन के ज़रिए वाक्-पटुता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कंपनी के राज्य भर के यूनिटों के कर्मचारियों ने भाग लिये। इस प्रतियोगिता में श्रीमती रेचल जेकब, अधिकारी 5, एचएलएल-पीएफटी; डॉ.संतोष कुमार शुक्ला, वैज्ञानिक 2, एचएलएल - सीआरडीसी और श्री जयशंकर.ए.आर, एम जी 6, एचएलएल - एएफटी को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुए।

हिंदी पखवाडा - समापन समारोह

28 सितंबर 2021 को ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित एचएलएल के हिंदी पखवाडा के समापन समारोह का उद्घाटन तिरुवनंतपुरम शहर के आई जी पी एवं पुलीस कम्मीशनर श्री बलराम कुमार उपाध्याय आई पी एस द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि केरल के लोग हिंदी भाषा का अधिक प्रयोग करते हैं और इसके प्रचार - प्रसार के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। केरल राज्य के कॉलेज एवं स्कूलों के पाठ्यक्रम में भी हिंदी को दूसरी भाषा के रूप में शामिल किया गया है।

जिससे बच्चों को हिंदी सीखने एवं प्रयोग करने का अवसर मिलता है। इससे अधिकांश बच्चे आसानी से हिंदी में बात भी कर सकते हैं। आगे उन्होंने अपने अनुभव से व्यक्त किया कि भाषायें सीखना अच्छी बात है, केरल में आकर अपनी नौकरी के मुताबिक मलयालम भी सीखनी पडी, जिससे यहाँ के मामलों को आसानी से निपटान कर सकते हैं। आगे उन्होंने एक कविता से यह व्यक्त किया कि अपनी मंज़िल तक वे पहूँच जाते हैं जो उत्साह एवं स्फूर्ति से काम करते हैं। साथ ही उन्होंने हिंदी भाषा के प्रचार - प्रसार के लिए एचएलएल द्वारा किये जा रहे पहलों की सराहना भी की।

इस समारोह में कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस ने अध्यक्ष की भूमिका निभायी। उन्होंने राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की आवश्यकता एवं इसके अनुपालन के लिए कंपनी में लागू किये गये कदमों पर दृष्टि डालते हुए हिंदी पखवाडा समारोह के बीच आयोजित किये गये हिंदी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिये विभिन्न यूनिटों के कर्मचारियों को बधाइयाँ दीं। साथ ही आगे भी इस प्रकार की सहभागिता एवं समर्थन होने की कामना की।

आगे श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) ने अपने आशीर्वाद भाषण में कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन अपना सामाजिक एवं संवैधानिक उत्तरदायित्व मानते हुए कंपनी में इसके अनुपालन के लिए ठोस कदम उठाये गये हैं। बाद में कंपनी के उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), डॉ.रॉय सेबास्टियन ने हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाइयाँ देते हुए आगे भी अधिकाधिक हिंदी कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह प्रकट किया। संयुक्त महा प्रबंधक (पैकिंग, सुरक्षा & पर्यावरण) श्री वेणुगोपाल.एस और प्रबंधक (राजभाषा) डॉ.सुरेष कुमार.आर ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद भाषण दिया। इस कार्यक्रम में कंपनी के विविध यूनिटों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी ऑनलाइन के ज़रिए उपस्थित हुए। श्रीमती सेल्मा स्करिया, हिंदी अनुवादक, एचएलएल काक्कनाड फैक्टरी ने कंपयरिंग का काम संभाला।

हिंदी में तकनीकी सेमिनार/राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम

कंपनी के कर्मचारियों को अपना शासकीय काम कंप्यूटर एवं मोबाइल में हिंदी सॉफ्टवेयर के ज़रिए करने की तरीका से परिचित कराने तथा राजभाषा नीति के प्रति जागरूकता प्रदान के लिए आवश्यक प्रशिक्षण देने की ओर अप्रैल 2021 से सितंबर 2021 तक की अवधि में हिंदी में विभिन्न प्रकार की कार्यशालायें - अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (23.04.2021), हिंदी में अखिल भारतीय तकनीकी सेमिनार (29.07.2021), कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम (15.10.2021) और अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम (22.10.2021) -- आयोजित की गयीं। इन कार्यक्रमों में श्री अनिल कुमार, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), एसबीआई, श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय और श्री अनिल कुमार, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), एसबीआई, श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय और श्री आर.जयपाल, सेवानिवृत्त वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, एलपीएसई संकाय सदस्य थे। इन कार्यशालाओं से कंपनी के विभिन्न यूनिटों के 126 अधिकारी/कर्मचारी प्रशिक्षित किए गए और उन्हें इन्सक्रिप्ट कीबोर्ड, गूगिल हिंदी अनुवाद, फोटो अनुवाद, गूगिल इंडिक, हिंदी वॉयस टाइपिंग तथा राजभाषा अधिनियम, नियम आदि के बारे में अवगत कराया गया।

उस भाषा को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए जो देश के सबसे बडे हिस्से में बोली जाती हो, अर्थात् हिंदी।

- रवीन्द्रनाथ ठाकुर

राजभाषा निरीक्षण

कंपनी के यूनिटों एवं समनुषंगी कंपनियों के राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में लगातार प्रगति लाने के उद्देश्य से हर यूनिट के उच्चाधिकारियों एवं हिंदी स्टॉफ को आवश्यक सुझाव देने के लिए यूनिटों में प्रत्येक वर्ष राजभाषा निरीक्षण किया जा रहा है। इसके मद्देनज़र एचएलएल पेरूरकड़ा फैक्टरी, आक्कुलम फैक्टरी, काक्कनाड फैक्टरी, कनगला फैक्टरी और समनुषंगी कंपनी हाइट्स में 16 & 17 नवंबर 2021 को श्री एन. सामराज, सेवानिवृत्त राजभाषा अधिकारी, रेलवे ने ऑनलाइन राजभाषा निरीक्षण करके आवश्यक मार्गनिर्देश दिये।

केरल हिंदी प्रचार सभा के साथ भागीदारी

हम राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रेन्नमन पर विचार करते हुए कंपनी के आंतरिक कार्यक्रमों के साथ केरल हिंदी प्रचार सभा जैसे गैर संस्थाओं के हिंदी कार्यक्रमों में भी हमेशा भाग लते हैं। केरल हिंदी प्रचार सभा द्वारा केरल के केंद्र सरकार के कार्यालयों, निगमों, उपक्रमों एवं राष्ट्रीयकृत बैंकों की सहभागिता से 14 – 28 सितंबर 2021 तक आयोजित हिंदी पखवाडा समारोह के विभिन्न कार्यक्रमों में कंपनी के कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी हुई। आगे 17 सितंबर 2021 को आयोजित भारतीय भाषा कवि सम्मेलन में श्री सी.नारायणन, वरिष्ठ प्रबंधक, श्री युधिष्ठिर महारणा, प्रबंधक, श्री शरत.एस, एचएलएल निगमित मुख्यालय, श्री रामचंद्रन, श्री प्रदीप.पी.के, एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी द्वारा स्वरचित कवितायें प्रस्तुत की गयीं।

हिंदी पखवाडा समारोह - एचएलएल मुंबई कार्यालय

जैसा कि हम सब जानते हैं, संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया। इस पावन दिवस की स्मृति में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके मद्देनज़र एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के खारघर, मुंबई कार्यालय में भी सितंबर माह में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय के समस्त कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सितंबर माह के पहले सप्ताह में सबको हिंदी माह मनाने की सूचना नोटिस के ज़रिए दी गयी। श्री हरि.आर.पिल्लै, उप महा प्रबंधक (डब्लियु सी) और श्री अरुण गंगाधरन, वरिष्ठ प्रबंधक (एच सी एस) द्वारा हिंदी पखवाड़ा 14 सितंबर से 28 सितंबर तक किए जाने जानकारी दी गयी। हिंदी अधिकारी और कर्मचारियों के साथ बैठक करके हिंदी दिवस में आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता का निर्णय लिया गया और सभी को हिंदी में अपना कार्य करने को प्रेरित किया गया।

हिंदी निबंध प्रतियोगिता 16.09.2021 को आयोजित की गयी, जिसमें 91 कर्मचारियों ने भाग लिया। हिंदी पखवाड़ा के अंतिम दिन में समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की आवश्यकता एवं महत्व पर भाषण दिया गया। इस अवसर पर प्रतियोगिता में विजयी बन गये अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्री सलेश चंद्रन पी, उप प्रबंधक (एच सी एस) और श्री अजित पिल्लै, उप प्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा पुरस्कृत किया गया। साथ ही, सभी कर्मचारियों को अपना शासकीय कार्य हिंदी में करने की अपील की गयी। कर्मचारियों से आह्वान किया गया कि अपना कार्य हिंदी में करना, यह सिर्फ सितंबर महीने तक सीमित नहीं वरन् हमेशा अधिक से अधिक हिंदी में करना चाहिए, क्योंकि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। अब हमें यह प्रतिज्ञा लेना है कि भविष्य में भी हम राजभाषा नीति का अनुपालन करने की पूरी कोशिश करेंगे।

— एचएलएल शब्दावली —

Identity	पहचान
Illegal	अवैध
Illustration	चित्रण
Immediate	तत्काल
Immovable	अचल
Impairment of assets	परिसंपत्तियों की हानि/असमर्थता
Implementation	कार्यान्वयन
Import	आयात
Important	महत्वपूर्ण
Impose	अधिरोपित करना
Improvement	सुधार
In accordance with	के अनुसार में
In continuation	आगे
In writing	लिखित रूप में
Inadequate	अपर्याप्त
Inaugurate	उद्घाटन करना
Incentive Scheme	प्रोत्साहन योजना
Incidental	आकस्मिक/प्रासंगिक
Include	शामिल होना
Inclusive	सहित
Income	आय
Income tax	आयकर
Income tax act	आय कर अधिनियम
Incorporated	संस्थापित
Increase	बढती
Increment	वेतन वृद्धि

Independent	स्वतंत्र
Indicated price	निर्दिष्ट कीमत
Industrial	औद्योगिक
Indirectly	परोक्ष रूप से
Individually	व्यक्तिगत रूप से
Industrial relation	औद्योगिक संपर्क
Industry	उद्योग
Influence	प्रभाव
Information	सूचना
Infrastructure	अवसंरचना
Initial	हस्ताक्षर करना
Initiative	पहलू
Innovation	नवान्वेषण
Inquiry	पूछताछ/जाँछ
Inspection	निरीक्षण
Inspection report	निरीक्षण रिपोर्ट
Install	संस्थापित करना
Installation	स्थापना
Installed capacity	संस्थापित क्षमता
Institution	संस्था
Instruction	अनुदेश
Insurance policy	बीमा पॉलिसी
Insurance charges	बीमा चार्ज
Insurance claims	बीमा दावा
Insurance policy	बीमा पोलिसी
Intangible asset	अमूर्त परिसंपत्ति

Integrated	एकीकृत
Intention	अभिप्राय/आशय
Interest	हित/रुचि/ब्याज
Interest and Tax	ब्याज और कर
Interest accrued	उपचित ब्याज
Interest paid	प्रदत्त ब्याज
Interference	हस्तक्षेप
Interim	अंतरिम
Interim dividend	अंतरिम लाभांश
Internal	आंतरिक/आभ्यंतरिक
Internal audit	आंतरिक लेखापरीक्षा
International	अंतर्राष्ट्रीय
International standard	अंतर्राष्ट्रीय मानक
Internet data card	इंटरनेट डाटाकार्ड
Interpretation	व्याख्या
Interruption	बाधा, व्यवधान, क्रमभंग
Interview	साक्षात्कार
Intimate	सूचना देना
Intimation	सूचना
Intra uterine	इंट्रा युटेरान
Introduce	प्रस्तुत करना, परिचय करना
Invalidity	असमर्थता, अशक्तता
Inventory	वस्तुसूची
Investment	निवेश
Invitation	आमंत्रण
Invoice	बीजक

— नेमी टिप्पणियाँ —

Action may be taken as proposed	प्रस्ताव के अनुसार कार्रवाई करें
Appraise with further development	आगे की प्रगति सूचित करें
All concerned to note	सभी संबंधित नोट करें
Arrangement may be made	व्यवस्था की जाए
Bill may be paid	बिल का भुगतान करें
By return of post	वापसी डाक से
Brief for the meeting is put up	बैठक के लिए संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत है
Clarify the position	स्थिति स्पष्ट करें
Comments may be obtained	टिप्पणियाँ प्राप्त की जाए
Confirm please	कृपया पुष्टि करें
Draft of agreement is in order	करार का प्रारूप सही है
During the course of discussion	विचार विमर्श के दौरान
Department action is in progress	विभागीय कार्रवाई की जा रही है
Earned Leave granted	अर्जित छुट्टी मंजूर
Endorsement put up for signature	पृष्ठांकन हस्ताक्षर के लिए प्रस्तुत
Error is regretted	त्रुटि के लिए खेद है
For signature please	हस्ताक्षर के लिए
For further action	आगे की कार्रवाई के लिए
For reply within one week	एक सप्ताह के अंदर जवाब देने हेतु
Give top priority to this work	इस कार्य को प्राथमिकता दें
Grant of special pay	विशेष वेतन की स्वीकृति
Hold on office	पद ग्रहण करना
I am directed to	मुझे निदेश हुआ है
In public interest	लोकहित की दृष्टि से
In the prescribed manner	निर्धारित ढंग से

Joint Representation	संयुक्त प्रतिवेदन
Kindly expedite disposal	कृपया शीघ्र निपटान करें
Leave travel concession	छुट्टी यात्रा रियायत
Legal Action	कानूनी कार्रवाई
May be informed accordingly	तदनुसार सूचित किया जाए
May be obtained	प्राप्त किया जाए
Matter has been examined	मामले की जाँच कर ली गई है
Need no comments	टिप्पणी की आवश्यकता नहीं है
No objection Certificate	अनापत्ति प्रमाण-पत्र
Noted, thanks	देख लिया, धन्यवाद
Official Communication	आधिकारिक सूचना
Please issue	कृपया जारी करें
Please revise the draft	कृपया मसौदा संशोधित करें
Reply may be awaited	उत्तर की प्रतीक्षा करें
Submitted for orders	आदेश हेतु प्रस्तुत
Till further orders	अन्य आदेश होने तक
This requires administrative approval	इसके लिए प्रशासनिक अनुमोदन अपेक्षित है

हिंदी अब सारे देश की राष्ट्रभाषा हो गयी है। उस भाषा का अध्ययन करने और उसकी उन्नति करने में गर्व का अनुभव होना चाहिए। राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।

- सरदार वल्लभभाई पटेल

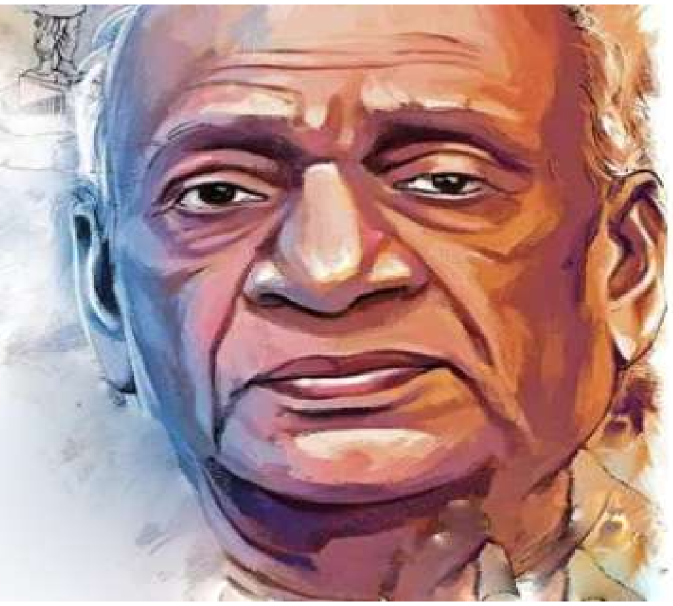

कोविड महामारी के आर्थिक और सामाजिक परिणाम

करीब दो वर्षों से चली कोवड महामारी ने संसार को अभूतपूर्व स्थिति में डाला है। इससे कोई भी देश, कोई भी समाज, अपने को बचा नहीं पाया है। कोई विश्वयुद्ध या कोई दूसरी महामारी हो, संसार को इतना प्रभावित नहीं कर सकी। महामारी ने मानव समाज को असहाय बना दिया है। इससे जुझने के प्रयास भी बहुत जगहों पर सफल नहीं दिखाई देते। इस महामारी ने लोगों के जीवन पर चाहे वह सामाजिक, आर्थिक हो या राजकीय हो, प्रभाव डाला है। लोग मानने लगे हैं कि हम कोविड पूर्व जीवन शैली आगे कुछ दिन तक नहीं अपना सकते।

कोविड महामारी के सामाजिक परिणाम :
महामारी के आने से वैश्विक सामाजिक जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। इस महामारी का कोई ठोस इलाज ना रहने के कारण बहुत से लोगों की मृत्यु हो गई, और अभी तक मौत का कहर जारी है। मरीज़ों की संख्या बढ़ती ही जा रही है, और अस्पतालों में जगह कम पड रहे हैं। महामारी ने परिवार में आपात लाई है। हँसते - खेलते परिवार मृत्यु के साये में दिखाई देते हैं। मृत्यु ने अपना भयंकर रूप धारण कर रखा है। परिवार के मृत सदस्यों के अंतिम कर्म के दर्शन भी नहीं कर पा रहे हैं। जो मरीज़ अस्पताल जाते हैं उनकी हालत बहुत खराब होती है। कोई समाधान नहीं मिल सकता। एक प्रकार से मरीज़ की हालत और भी गंभीर हो जाती है। कभी उपचार समय पर नहीं मिलते, अस्पतालों में बेड नहीं मिलते, ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं होती। मरीज़ तडप - तडप कर दम तोड देते हैं। कई मरीज़ उम्र भर के लिए अपाहिज बनते हैं। परिवार के लोग हतबलता और असहायता महसूस होते हैं। गरीब परिवार इलाज भी नहीं करा पाते। महामारी ने पारिवारिक जीवन पर गहरा असर छोड़ कर रखा है। बच्चे माँ - बाप खो देते हैं और अनाथ हो जोते हैं, बेघर हो जाते हैं। बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाते हैं, कमानेवाले सदस्य की अगर मौत हो जाती है तो परिवार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है।

महामारी के संक्रमण के भय से लोगों का आमने - सामने आना, एक दूसरे के साथ रहना, गपशप लड़ाना, हंसी मजाक करना, एक दूसरे के सुख - दुःख में शामिल होना, मुश्किल हो गया है। ये सब व्यक्ति के सामाजिक जीवन की आवश्यकताएँ हैं। ये सब न मिलने के कारण मनुष्य अकेलापन महसूस करता है और मानसिक बीमारियों का शिकार बन जाता है। घर बैठे काम करने वाले लोग घर में ही बंद रहते हैं। शारीरिक स्वस्थ पर विपरीत परिणाम हो जाते हैं। महामारी से बचने के लिए, अपनी रोग निरोधक शक्ति बढ़ाने के लिए लोगों ने क्या नहीं किया, साबुन से बार-बार हाथ धोना, सैनिटाइज़र का प्रयोग करना, आयुर्वेद के काढे बना कर पीना। टीका लगवाने के लिए लंबी कतारों में खड़े होना। फिर भी कई जगहों पर महामारी का कहर कम नहीं हो सका। पर कभी-कभी "घने बादलों में चांदी की लकीर" जैसे परिवार,घर में ही जीवन बिता रहे हैं। इसका लाभ सशक्त पारिवारिक संबंधों पर पाया जाता है। बहुत समय परिवार के सदस्यों के साथ गुजरना, संक्रमण के डर के बिना लोगों की सहायता करना, अपनी संवेदना व्यक्त करना, यही जताता हैंकि इससे सब ठीक हो जायेगा।

प्रकृति ने सिखाया है कि मृत्यु गरीबी और अमीरी नहीं देखती, उसके सामने सब एक है। यह एकता की भावना को जगाता है, सहायता करने की भावना को जगाना, एक दूसरे के संबंधों को मजबूत करना और महामारी का डट कर सामना करने को सिखाता है।

ऐसे इस महामारी का सामाजिक जीवन पर भी परिणाम देखने को मिलता है। एक तरफ समाज को सीख मिलती है कि कुछ भी निश्चित नहीं है, कब भी, कहीं भी, कोई भी संक्रमित हो सकता है और एक तरफ ऐतिहात बरतने पर इस महामारी से बच भी सकते हैं। लेकिन

एक आशा की किरण ज़रूर दिखती है कि एक दिन ज़रूर आएगा जिस दिन में हमें इस महामारी से छुटकारा मिलेगा। आगे हम इस महामारी के आर्थिक परिणामों पर विचार करेंगे।

महामारी के आर्थिक परिणाम :

इसके दो प्रकार है - एक प्रत्यक्ष और दूसरा अप्रत्यक्ष।

अप्रत्यक्ष परिणाम :

इस महामारी को रोकने के लिए कई कदम लिए गए, उनमें से एक लॉकडाउन है, जिससे अभिवृद्धि, एक दिन से थम गयी। इससे गरीब देशों को बहुत झेलना पड़ा। लॉकडाउन लंबे समय तक चलने के कारण, कई लोगों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। अकुशल कार्यबल तो बहुत बुरी स्थिति में पड गया। उनको अपने परिवारों के साथ शहरों से अपने गाँवों तक पैदल चलना पड़ा। रास्तों में कही दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भूखे पेट सडक के किनारे सोना पडा। व्यापार ठप पड गए, कारखानों का काम बंद हो गया, कार्मिक वर्ग काम रहित रह गये, उनकी आर्थिक स्थिति बडी खराब हो गयी।

निर्माण उद्योग बंद पडने पर लाखों लोग बेरोज़गार बन गए। यातायात पर बुरा असर पड़ा। पूरा देश लंबे काल तक लॉकडाउन में रहने के कारण आर्थिक स्थिति में भी बुरा असर पड गया। कई जगहों पर लॉकडाउन में थोड़ी सी ढील देने के बावजूद भी आर्थिक वृद्धि नहीं हुई, क्योंकि कार्मिक वर्ग भय के कारण वापस काम पर नहीं पहुँचे।

प्रत्यक्ष परिणाम :

महामारी से संक्रमित कई लोग, अस्पतालों के बढ़ते चिकित्सा शुल्क के कारण अस्पताल नहीं जा सके। कई लोगों के घर में ही मौत हुए और जो लोग अस्पताल गये उनको तो भारी बिल्स चुकाने पड़े। जिंदगी भर जमा की गयी पूँजी, जो बच्चों की शिक्षा, शादी इत्यादि के लिए रखी थी, चिकित्सा के लिए खर्च करना पडा। बच्चे बेघर हो गए और अनाथ हो गए।

स्त्रीयों को इस अनपेक्षित आपात का सामना करने के लिए, घर भार संभालने के लिए, खुद काम करना पड रहा है। यह आर्थिक परिणाम बहुत दिन तक रहेगा और इस नुकसान के भरपाई के लिए मेहनत के बरसों लग जाएँगे। महामारी से लोगों के सामाजिक और आर्थिक जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव लंबे समय तक पडेगा। महामारी ने जिस तरह हमारे सामाजिक और आर्थिक कमज़ोरियों और दोषों पर प्रहार किया है, हम लोग उस नुकसान की भरपाई नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन एक तरफ, पूरे समाज को, सहयोग के नए तरीकों पर सोचने को मज़बूत कर दिया है। मानव समाज को संयुक्त रूप से नए तरीकों को अपनाकर इस महामारी और या अन्य दूसरी आपात को निपटने की कोशिश करनी चाहिए। चलें, हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले दिनों में, मानव समाज संयुक्त तौर पर सभी तरह के मुश्किलों एवं कष्टोंका सामना कर सकेंगे।

एम.डी.मुल्ला

सहायक प्रबंधक (विद्युत)

एचएलएल - कनगला फैक्टरी

कोविड महामारी और भारतीय अर्थव्यवस्था

वर्ष 2020 के प्रारंभ में कोरोना महामारी भारत सहित संपूर्ण विश्वा के लिए एक गंभीर और अभूतपूर्व चुनौती के रूप में प्रकट हुई। कोरोना की पहली लहर के समय, किसी भी कारगर औषधि व वैक्सीन की गैर मौजूदगी में भारत सरकार ने एकमात्र विकल्प के तौर पर कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए 24 मार्च, 2020 से 31 मई, 2020 तक अलग-अलग चरणों में संपूर्ण भारत में लॉकडाउन लागू कर दिया। भारत सरकार के इस निर्णय से निश्चित रूप से कोरोना के विनाशकारी प्रभाव को काफी हद तक सीमित किया जा सका, हालांकि कोविड महामारी के दौरान हुए लॉकडाउन के कारण औद्योगिक व विनिर्माण गतिविधियाँ और साथ ही निर्यात भी पूरी तरह से ठप हो गया। इसके फलस्वरूप वित्तीय वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी में 24.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो कई दशकों में होनेवाली सबसे बडी गिरावट थी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कोविड महामारी के कारण उत्पन्न आर्थिक संकटको निपटने के लिए त्वरित निर्णय लेते हुए मार्च 2020 में एक ईकोनोमिक टास्क फोर्स का गठन किया, जिसके अध्यक्ष के रूप में वर्तमान वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन को चुना गया। ईकोनोमिक टास्क फोर्स द्वारा आनन-फानन में कई महत्वपूर्ण व सराहनीय कदम उठाए गए, जिसमें भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियोजना के अंतर्गत 24.1 लाख करोड रुपए (भारत की कुल जीडीपी का लगभग 13 फीसदी) के एक विशेष आर्थिक पैकेज का प्रावधान किया। इस पैकेज का मुख्य उद्देश्य लॉकडाउन के कारण विशेष रूप से प्रभावित गरीब परिवारों के जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना था।

इस विशेष आर्थिक पैकेज के माध्यम से जहाँ सरकार ने एक ओर 2.76 लाख करोड रुपए की लागत से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना द्वारा 80 करोड लोगों के लिए मुफ्त अनाज और राशन, 8 करोड से अधिक परिवारों को उज्ज्वला स्कीम के तहत मुफ्त रसोई गैस, गरीब परिजनों के बैंक अकाउंट में सीधे नकदी हस्तांतरण और एम.जी.ई. एन.आर.जी.एस में आबंटन बढाकर दैनिक जीविका उपार्जन को सुनिश्चित किया। वहीं दूसरी ओर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए ई.सी.एल.जी.एस के तहत एम.एस.एम.ई व अन्य व्यवसायों के लिए 3 लाख करोड के कोलाटेराल मुक्त ऋण का प्रावधान, एन.ब.एफ.सी के लिए 45000 करोड की आंशिक गारंटी स्कीम 2.0 तथा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के माध्यम से 30,000 करोड की आपातकालीन कार्यशील पूँजी की सहायता किसान बंधुओं तक पहुंचाई। इसके अलावा भारत सरकार द्वारा बीमा क्षेत्र में एफडीआई की निवेश सीमा को 49 फीसदी से बढाकर 74 फीसदी किया गया।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2020-22 के बजट में ऐसे कई प्रावधानों की घोषणा की है, जिसमें कोविड महामारी की चुनौती से निपटने के साथ ही अर्थव्यवस्था को बल देने का यथा संभव प्रयास हुआ है। इस बजटमें कोविड महामारी की रोकथाम के लिए वैक्सीन हेतु केंद्र सरकार ने 35,000 करोड की वित्तीय निधि आबंटित की है, भविष्य में यह राशि बढ़ाकर लगभग 50,000

करोड करने का अनुमान है।

भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत 13 विभिन्न सेक्टर्स जैसे ऑटोमोबाइल, नेटवर्किंग उत्पाद, टेक्स्टाइल, खाद्य प्रसंस्करण, उन्नत रसायन विज्ञान, टेलीकॉम, फार्मा, स्टील और सोलार पी वी आदि के निर्णाण को प्रोत्साहन देने के लिए पी.एल.आई स्कीम से 1.97 लाख करोड आबंटित किए हैं। इससे घरेलू विनिर्माण को बढावा मिलेगा ही, अपितु विदेशी कंपनियाँ भारत में विनिर्माण के लिए प्रोत्साहित होंगी, जिससे विदेशी निवेश भी भारत में आएगा। पी.एल.आई स्कीम के दूसरे चरण के लिए 1.46 लाख करोड रुपए की धनराशि आबंटित की गई है, जिसका 62 फीसदी भाग उन्नत कार बैटरीज़ व दवा विनिर्माण के लिए समर्पित है। एक अनुमान के अनुसार पी. एल.आई स्कीम से भारत में लगभग 5 वर्षों में लगभग 500 बिलियन यू.एस.डी मूल्य के समतुल्य उत्पाद होगा व 1 करोड नए रोज़गार का सृजन होगा और इसके अतिरिक्त निर्यात में भी अप्रत्याशित वृद्धि की संभावना है।

वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में कई महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) से संबंधित परियोजनाओं का उल्लेख है जैसे मेगा इनवेस्टमेंट टेक्सटाइल पार्क्स, राष्ट्रीय रेल योजना 2030, राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन 2021-22 तथा राष्ट्रीय मुद्रीकरण योजना (नेशनल मोनेटाइजेशन पाइपलाइन) को संग्रहीत कर लगभग 74000 परियोजनाएँ शामिल हैं।

यद्यपि कोविड महामारी ने वैश्विक आर्थिक संकट प्रस्तुत कर भारत सहित विश्व के कई देशों के सामने चुनौती प्रस्तुत की, परंतु भारत सरकार के महती प्रयासों के समक्ष यह चुनौती बौनी प्रतीत होती है। भारत सरकार ने कोविड महामारी से बचने के लिए एक ओर जहाँ लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग के कडे मानक अपनाए और साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं, औषधि, वेंटिलेटर्स, ऑक्सिजन और वैक्सीन की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश को कोरोना से मुक्त करने का संकल्प लिया, वहीं दूसरी ओर दूरदर्शिता, दृंढ निश्चय और विवेकपूर्ण आर्थिक फैसले सही समय पर लेकर वास्तव में आपदा को भी अवसर में बदला है। जिसका परिणाम है कि वित्त वर्ष 2020-21की पहली तिमाही (क्यू-1) की 24.4% गिरावट के बदले वर्तमान वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में भारत की जी.डी.पी. में 20.7 फीसदी की बढत दर्ज हुई। वहीं निर्यात में जुलाई 2021-22 में विगत वर्ष के इसी समय (2020-21 जुलाई) की तुलना में 47 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। भारत विदेशी निवेश को आकर्षित करने में भी सफल रहा है। गौरतलब है कि भारत में जुलाई 2021-22 में 81.72 बिलियन यू.एस.डी का विदेशी निवेश हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना से 10 फीसदी अधिक है। इसके मुख्य कारण, इज ऑफ डूइंग बिज़नस, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना और भविष्य की कई महत्वाकांक्षी बुनियादी परियोजनाओं का खाका है।

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 15 अगस्त 2021 को देश के 75 वीं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक नई योजना 'प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना' आरंभ करने की घोषणा की गई। इस योजना का कुल बजट 100 लाख करोड निर्धारित किया गया है। इस योजना के माध्यम से बुनियादी ढांचे के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जा सकेगा और देश में स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देकर युवाओं को रोज़गार के भरपूर अवसर प्रदान किए जाएंगे।

भारतीय अर्थ व्यवस्था के ये आंकडे इस ओर इंगित करते हैं कि भारत न केवल कोविड महामारी के झटके से उबरा है बल्कि अर्थ व्यवस्था में भी तेजी से रफ्तार पकडी है। कोविड महामारी के बाद से ही विश्व की बडी महाशक्तियाँ व्यापारिक दृष्टि कोण से चीन की ओर संदेह से तो भारत की तरफ विश्वास से देख रही हैं, ऐसे भारत सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत आर्थिक फैसले भारत को आर्थिक उन्नति के पथ पर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि निश्चित ही आनेवाले वर्षों में भारत विश्वपटल पर मज़बूत आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरेगा।

अमित कोचर
वरिष्ठ प्रबंधक (आरए/आर & डी) प्रभारी
एचएलएल - कनगला फैक्टरी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सन् 1947 में 15 अगस्त के दिन भारत को ब्रिटिश शासन से पूर्ण आज़ादी मिली। तब से हर साल भारत 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाता है। इस वर्ष भारत ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में 74 साल पूरे करने से 75 वाँ स्वतंत्रता दिवस 2021 धूमधाम से मनाया। स्वतंत्रता दिवस भारत का राष्ट्रीय पर्व है, इसलिए 15 अगस्त को राजपत्रित अवकाश रखा जाता है।

पूरी दुनिया कोरोना वायरस महामारी की चपेट में है, इस स्थिति में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया, जिसे अब केंद्र सरकार ने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस 2021 का थीम "नेशन फर्स्ट ऑल्वेज़ फर्स्ट" बना दिया है। पहले के समान इस वर्ष में भी लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। 15 अगस्त के दिन स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का भाषण भी ऑनलाइन प्रसारित किया गया। लोग एक दूसरे को 15 अगस्त पर स्वतंत्रता दिवस से संबंधित कोट्स, फोटो, पोस्टर, ड्राइंग, हार्दिक शुभकामनाएँ, संदेश, शायरी, वीडियो, स्टेट्स,वीडियो स्टेट्स, वॉल पेपर, एच डी इमेज आदि भेजते हैं। आप स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या किसी मंच पर 15 अगस्त पर भाषण देते हैं। इसके अलावा छात्र स्वतंत्रता दिवस पर निबंध हिंदी में लिखने की प्राक्टिस भी करते हैं।

हर साल, भारत के प्रधान मंत्री दिल्ली के लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं और राष्ट्र के नाम पर संदेश देते हैं, जिसके बाद सैनिक परेड (तीन दल) होती है। भारत के राष्ट्रपति भी देश के नाम पर संदेश देते हैं। इस अवसर पर, इक्कीस तोपों की सलामी दी जाती है। इस दिन में पूरे भारत में राष्ट्रीय अवकाश होने से केंद्र एवं राज्य सरकार के सभी कार्यालय बंद रहते हैं। सभी केंद्र एवं राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेशों में ध्वजारोहण समारोह, परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। स्वतंत्रता दिवस की तैयारी एक महीने पहले शुरू हो जाती है। स्कूल और कॉलेजों में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वाद-विवाद, भाषण, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि का आयोजन किये जाते हैं।

15 अगस्त, 1947 के दिन भारत को 200 साल ब्रिटिश राज की गुलामी से आज़ादी मिली थी। इसलिए भारत यह दिन स्वतंत्रता

दिवस के रूप में मनाता है। यह भारत का राष्ट्रीय दिवस है, जिससे यह 'आई-डे' के रूप में भी जाना जाता है। इसके अलावा यह अवकाश भारत में ड्राई डे की होता है, जब शराब की बिक्री की अनुमति नहीं होती।

अंग्रेज़ों ने भारतीय उपमहाद्वीप पर अपना पहला चौकी 1619 में सूरट के उत्तर पश्चिमी तट पर स्थापित किया। उस शताब्दी के अंत तक, ईस्ट इंडिया कंपनी ने मद्रास, मुंबई और कोलकाता में तीन और स्थायी व्यापारिक स्टेशन खोले थे। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक, ब्रिटिशों ने इस क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार जारी रखा, भारत, पाकिस्तान और बंगलादेश के वर्तमान समय के अधिकांश हिस्सों पर उनका नियंत्रण था। 1857 में, विद्रोही भारतीय सैनिकों द्वारा उत्तरी भारत में इस ब्रिटिश सरकार की ईस्टइंडिया कंपनी से सभी राजनीतिक शक्ति को स्थानांतरित करने का नेतृत्व किया। अंग्रेज़ों ने स्थानीय शासकों के साथ संधि करके आराम से भारत के अधिकांश हिस्सों को अपने नियंत्रण में लाना शुरू किया। उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में, ब्रिटिश वायसरॉय को सलाह देते हुए भारतीय सदस्यों के साथ प्रांतीय परिषदों की स्थापना के लिए भारतीय पार्षदों की नियुक्ति करके ब्रिटिश भारत में स्व-शासन की ओर प्रारंभिक कदम उठाए गए थे। 1920 में भारत के कर्णदार नेता मोहनदास करम चंद गांधी ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ अभियान के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिक दल को एक जन आंदोलन में बदल दिया। पार्टी ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए संसदीय और अहिंसक प्रतिरोध और असहयोग दोनों को स्वीकार किया। अन्य नेताओं में, विशेष रूप से सुभाष चंद्र बोस ने भी आंदोलन के लिए एक सैन्य की स्थापना की। यह आंदोलन ब्रिटिश साम्राज्य और भारत एवं पाकिस्तान के गठन से उप महाद्वीप की स्वतंत्रता से समाप्त हुआ। इस प्रकार, 15 अगस्त 1947 को, भारत राष्ट्रमंडल के भीतर एक प्रमुख हिस्सा बन गया। हिंदुओं और मुसलमानों के बीच संघर्ष से, ब्रिटिश ने भारत का विभाजन करने के लिए पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान का निर्माण किया। भारत 26 जनवरी, 1950 को अपना संविधान घोषित करने के बाद राष्ट्रमंडल के भीतर एक गणतंत्र बन गया, जो अब गणतंत्र दिवस के रूप में जाना जाता है।

1757 में, ईस्ट इंडिया कंपनी ने प्लासी के युद्ध में बंगाल के अंतिम नवाब को हराया, जिसने भारत में ब्रिटिश शासन की शुरूआत को चिह्नित किया। भारतीय विद्रोह या स्वतंत्रता का पहला युद्ध 1857 में हुआ था जो ब्रिटिश सासन के खिलाफ एक प्रमुख असफल विद्रोह था। वर्ष 1885 में, भारत की पहली राजनीतिक पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन किया गया था और 1918 में प्रथम विश्व युद्ध के समापन के बाद, भारतीय कार्यकर्ताओं ने स्व-शासन या 'स्वराज' का आह्वान किया। 1929 में, भारतीय राष्ट्रीय
कंग्रेस ने लाहौर की एक सभा में 'पूर्ण स्वराज' या भारत की स्वतंत्रता की घोषणा की। अंत में, ब्रिटिश सरकार और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच बैठकों की एक श्रृंखला के बाद, लॉर्ड माउंटबेटन, जिन्होंने पूर्व स्वतंत्र भारत के अंतिम वायसरॉय के रूप में कार्य किया, ने प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की। 15 अगस्त, 1947 को, लॉर्ड माउंटबेटन ने ब्रिटिश भारत को दो नए स्वतंत्र राष्ट्रों में विभाजित किया, भारत और पाकिस्तान। इसके बाद, हर साल 15 अगस्त के दिन, प्रधान मंत्री इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को मनाने के लिए दिल्ली के लाल किले में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। ध्वजारोहण समारोह के साथ ही परेड और लोक नृत्य की प्रस्तुतियाँ भी होती हैं। साथ ही भारत का राष्ट्रीय ध्वज कई सार्वजनिक स्थानों पर फहराया जाता है। राष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में कई उत्सव होते हैं। स्कूल और कॉलेजों सहित शैक्षणिक संस्थान, इस दिन के ऐतिहासिक महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराने के लिए विशेष समारोह की मेज़बानी करते हैं।

इस अवसर पर बच्चे तिरंगे वाली पतंग उड़ाते हैं। पतंगबाजी का खेल स्वतंत्रता दिवस का प्रतीक है। आसमान को भारत की स्वतंत्र आत्मा का प्रतीक बनाने के लिए छतों और खेतों से उड़ाई गई अनगिनत पतंगों के साथ बिताया गया है। बाज़ार में तिरंगे सहित विभिन्न शैलियों, आकारों और रंगों की पतंगें उपलब्ध हैं। दिल्ली में लाल किला भारत में एक महत्वपूर्ण स्वतंत्रता दिवस का प्रतीक भी है क्योंकि यह भारत के प्रधान मंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 15 अगस्त 1947 को भारत के ध्वज का अनावरण किया था। भारत का राष्ट्रीय ध्वज शीर्ष पर गहरे हरे रंग में है। ध्वज की चौड़ाई की लंबाई का अनुपात दो से तीन है। सफेद बैंड के केंद्र में एक नौसेना-नीला पहिया चक्र का प्रतिनिधित्व करता है। इसका डिज़ाइन उस पहिए का है जो अशोक के सारनाथ शेर राजधानी के एबेकस पर दिखाई देता है। इसका प्यास सफेद बैंड की चौडाई के बराबर है और इसमें प्रवक्ता हैं।

प्रदीप.टी.के
एम जी 5, क्यु ए
एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी

हार्दिक बधाइयाँ

02 जुलाई 2021 को श्री वी. शिवनकुट्टी, शिक्षा और श्रम मंत्री, केरल सरकार से कारखाना और बॉयलर विभाग द्वारा संस्थापित औद्योगिक सुरक्षा में उत्कृष्ट निष्पादन पुरस्कार हासिल करते हैं, श्री जी. कृष्णकुमार, यूनिट प्रधान, पेरूरकड़ा फैक्टरी और श्री वेणुगोपाल, जेजीएम (पैकिंग और सुरक्षा एवं पर्यावरण)।

केरल सरकार के कारखाना और बॉयलर विभाग द्वारा संस्थापित उत्कृष्ट सुरक्षा कामगार पुरस्कार केरल के परिवहन मंत्री एडवोकेट श्री आंटणी राजु के करकमलों से हासिल करता है श्री अनिल राज.के.वी, एसजी 1 एचएलएल - आक्कुलम फैक्टरी।

ताज़ा खबर

05 अगस्त 2021 को आयोजित मासिक धर्म स्वच्छता प्रशिक्षण कार्यक्रम, केएसडब्ल्यूडीसी और एचएलएल की परियोजना, का उद्घाटन। देख रहे हैं, श्रीमती वीणा जॉर्ज, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, केरल सरकार, श्री वी.एस.शिवनकुट्टी, शिक्षा और श्रम मंत्री, केरल सरकार और श्री के बेजी जॉर्ज आईआरटीएस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एचएलएल।

एचएलएल के एफ सी और तोप्पुम्पडी पुलिस ने नन्मा फांउडेशन के साथ मिलकर 01 मई 2021 को लॉकडाउन के दौरान गली में रहने वाले लोगों को भोजन दिया।

श्री राजेश भूषण, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सचिव 16 अगस्त 2021 को एचएलएल अक्कुलम फैक्टरी के प्रचालन की समीक्षा कर रहे हैं।

एचएलएल ने 02 मई 2021 को केरल राज्य पुलिस विभाग को हैंड सैनिटाइज़र की थोक आपूर्ति प्रदान की।

अधिवक्ता, श्री डी.सुरेश, जिला पंचायत अध्यक्ष की उपस्थिति में 09 अगस्त 2021 को नेय्याटिनकरा जनरल अस्पताल में हिंदलैब्स यूएसजी एंड इको सुविधा केंद्र का उद्घाटन करते हैं श्री अंसलन, नेय्याटिनकरा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक।

विश्व जनसंख्या दिवस 2021 के सिलसिले में एचएलएल के कॉर्पोरेट मुख्यालय में श्री संतोष चेरियन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (वित्त) और श्री एल अजितकुमार, उपाध्यक्ष (आईटी) द्वारा एमआईटीयू - कंडोम किट का अनावरण करते हैं।

एचएलएल सीएसआर पहल के हिस्से के रूप में जिला मॉडल अस्पताल, पेरूरकड़ा में स्थापित चिकित्सा ऑक्सीजन वितरण प्रणाली।

हिंदलैब्स ने 21 सितंबर 2021 को सीएचओ के कर्मचारियों के लिए आयोजित वार्षिक स्वास्थ्य जाँच कैंप।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

एचएलएल निगमित मुख्यालय

एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी

एचएलएल कनगला फैक्टरी

एचएलएल - आक्कुलम फैक्टरी

रिक्रियेशन क्लब

ओणम समारोह

पिंक महिला फोरम

विश्व महिला दिवस समारोह

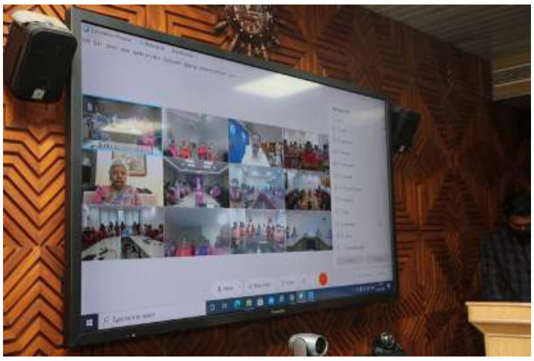

पुरस्कार वितरण

हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता

गोल्ड

मूड्स

कंडोम

सत्यमेव जयते

स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

दवाओं और सर्जिकल
उपकरणों के लिए
60%
औसत छूट

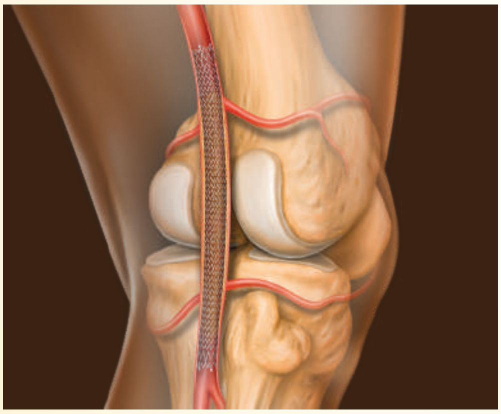

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार के एक नवीन पहल

www. amritcare.co.in

अमृत
दीनदयाल

मेडिकल्स

चिकित्सा के लिए किफायती दवायें और विश्वसनीय उपकरण